गौतमबुद्ध नगर जिले में 12 सितंबर को रहेगा सार्वजनिक अवकाश, जानिए स्कूल-कॉलेज समेत क्या रहेगा बंद ?

परिवहन विशेष न्यूज

गुरु द्रोणाचार्य मेले के उपलक्ष्य में 12 सितंबर को जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि स्थानीय अवकाश के कारण स्कूल-कॉलेज मंगलवार को बंद रहेंगे। इसके साथ ही सभी सरकारी कार्यालय को भी बंद रखने का निर्देश दिया गया है। आदेश के अनुसार निजी स्कूल-कॉलेज भी बंद रहेंगे। जिलाधिकारी ने सभी से कड़ाई से निर्देश का पालन करने को कहा है।

ग्रेटर नोएडा। गुरु द्रोणाचार्य मेले के उपलक्ष्य में 12 सितंबर को जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि स्थानीय अवकाश के कारण स्कूल-कॉलेज मंगलवार को बंद रहेंगे। इसके साथ ही सभी सरकारी कार्यालय को भी बंद रखने का निर्देश दिया गया है।

आदेश के अनुसार, निजी स्कूल-कॉलेज भी बंद रहेंगे। यह आदेश सभी बोर्ड के शिक्षण संस्थानों के लिए लागू रहेगा। इसमें यूपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड के स्कूल और कॉलेज शामिल हैं। जिलाधिकारी ने सभी से कड़ाई से निर्देश का पालन करने को कहा है।

यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिया निर्देश

यह आदेश दनकौर में गुरु द्रोणाचार्य मेला शुरू होने के चलते दिया गया है। क्योंकि मेला बहुत विशाल लगता है। जिस कारण यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है। कई मार्गों पर डाइवर्जन भी किया जाता है। जिस कारण स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्रों के लिए आने-जाने में परेशानी हो सकती है।

गुरुग्राम में कार चालक की गुंडई! पहले स्कूटी सवार को मारी टक्कर, फिर डंडे से किया हमला

गुरुग्राम के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में महाराजा अग्रसेन चौक के पास पीछे से आए कार चालक ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। जब स्कूटी सवार युवक ने इसका विरोध जताया तो कार चालक ने पहले गाली-गलौज की और इसके बाद युवक से डंडे निकालकर मारपीट कर दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में महाराजा अग्रसेन चौक के पास पीछे से आए कार चालक ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। जब स्कूटी सवार युवक ने इसका विरोध जताया तो कार चालक ने पहले गाली-गलौज की और इसके बाद युवक से डंडे निकालकर मारपीट कर दी।

आदर्श नगर निवासी राजेंद्र कुमार राठी ने थाने में दर्ज कराई शिकायत में कहा कि वह रविवार शाम सवा सात बजे स्कूटी से घर से हरीश बेकरी की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान महाराजा अग्रसेन चौक के पास पीछे से आई कार ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी।

आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज: पुलिस

जब उन्होंने इसका विरोध जताया तो कार चालक ने बाहर आकर उनके साथ गाली-गलौज की। राजेंद्र कुमार राठी यहां से स्कूटी लेकर आगे चले गए। इसके बाद समा रेस्टोरेंट के पास कार चालक वहां आया और गाली-गलौज करते हुए डंडे से उन पर हमला कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत से लौट रहे किसान पर तेंदुए ने किया हमला, इलाके में दहशत का माहौल; अलर्ट पर वन विभाग की टीम

गाजियाबाद के मोदी नगर में सोमवार सुबह खेत से लौट रहे किसान पर तेंदुए द्वारा हमला करने की चर्चा है। किसान का मोदी नगर सीएचसी में उपचार कराया गया है। किसान ने बताया कि वह जानवर तेंदुए जैसा था। सूचना कुछ ही देर में पूरे गांव में फैल गई। लोग लाठी-डंडे लेकर खेत में पहुंचे लेकिन तेंदुआ नहीं मिला। फिलहाल वन विभाग की टीम अलर्ट पर है।

मोदीनगर। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव सैदपुर में तेंदुए की सूचना से फिर लोग दहशत में हैं। सोमवार सुबह खेत से लौट रहे किसान पर तेंदुए द्वारा हमला करने की चर्चा है। किसान का मोदीनगर सीएचसी में उपचार कराया गया है। किसान के हाथ में चोट के है। उधर, घटना के बाद से लोग घरों से भी नहीं निकल रहे हैं। उनमें तेंदुए का खौफ है। सूचना पर वन विभाग की टीम व स्थानीय पुलिस गांव में पहुंची और सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन टीम को तेंदुए का कोई साक्ष्य नहीं मिला। गांव सैदपुर के सेंसरपाल किसान हैं। वे पशुओं का चारा लेने के लिए सोमवार सुबह खेतों पर गए थे। घर लौटते समय रास्ते में उन्हें तेंदुए जैसा जानवर दिखा। उसे देखकर वे घबराए और दौड़ने लगे। आरोप है कि जानवर ने उनपर हमला कर दिया। जिससे उनके हाथ में चोट आई। किसी तरह वहां से जान बचाकर वे घर पहुंचे और आसपास के लोगों को जानकारी दी। सेंसरपाल के मुताबिक, वह जानवर तेंदुए जैसा था। सूचना कुछ ही देर में पूरे गांव में फैल गई।

पत्नी व बच्चों को जिंदा जलाने की कोशिश

महिला ने पति के अवैध संबंध का किया था विरोध

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में रविवार रात को रजापुर में युवक ने कमरे में पेट्रोल छिड़ककर पत्नी व दो बच्चों को जलाकर मारने का प्रयास किया जिसमें वह खुद ही झुलस गया। हालांकि वह खुद ही झुलस गया। आरोप है कि युवक का भाभी की बहन के साथ अवैध संबंध थे। वह शादी के बाद भी अपनी प्रेमिका से मिलता रहा जिसको लेकर उनके बीच झगड़ा होता रहता है।

गाजियाबाद। रजापुर में रविवार रात युवक ने कमरे में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आरोप है कि भाभी की बहन से संबंध के विरोध पर आरोपित ने पत्नी व दो बच्चों को जलाकर मारने का प्रयास किया, जिसमें वह खुद ही झुलस गया।

सात साल पहले हुई थी शादी

बेटी भी आग की चपेट में आ गई, लेकिन गनीमत रही कि उसके बाल ही जल पाए और मां ने उसे बचा लिया। पीड़िता ने बताया कि उनकी शादी सात साल पहले हुई थी। शादी से पहले से ही आरोपित के अपनी भाभी की बहन से संबंध थे, जिस बारे में उन्हें पहले नहीं बताया।

मगर शादी के बाद भी पति अपनी प्रेमिका से मिलता रहा, जिसको लेकर उनके बीच झगड़ा होता रहता है। इस बीच उन्होंने बेटा व बेटी की जन्म दिया। पिछले कुछ दिन आरोपित आए दिन मारपीट करता था। तीन दिन पहले उन्हें जीने से धक्का दे दिया था।

पति के चेहरे पर ही लगी आग

रविवार रात आरोपित केन में पेट्रोल लेकर आया और कमरे में छिड़कने के बाद आग लगा दी। पेट्रोल चेहरे पर गिरने से पति के चेहरे पर भी आग लग गई और वह कमरा बंद कर भाग गया। पीड़िता ने शोर मचाया, जिसके बाद देवर, सास व आसपास के लोग आए और महिला व दोनों बच्चों को बचाया।

लोग आग बुझाते तब तक कमरे में रखा बेड, कपड़े व कूलर समेत अन्य सामान जल गया। एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपित को हिरासत में लेकर प्राथमिक उपचार दिलाया जा रहा है। वह मामूली रूप से झुलसा है।

आरोपित का कहना है कि पत्नी गाली-गलौज करती है। रोजाना के झगड़े से तंग आकर यह कदम उठाया। उसका कहना है कि आग लगाने के बाद पत्नी कमरा बंद कर भागी थी। तहरीर के आधार पर छानबीन कर आगे की कार्रवाई करेंगे।

गुरुग्राम में वायरल बुखार हड्डियों को कर रहा कमजोर, तीन गुना बढ़े मरीज

डेंगू के मरीजों में भी जोड़ों के दर्द की समस्या हो रही है। इसके अलावा वायरल बुखार के मरीज भी जोड़ों की दर्द की समस्या को लेकर ओपीडी में आ रहे हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत बच्चों महिलाओं और बुजुर्गों को हो रही है। वह हड्डी के दर्द से ज्यादा परेशान हैं। निजी व सरकारी अस्पताल के अलावा सीएचसी-पीएचसी में बुखार के मरीजों की संख्या तीनगुना बढ़ गई है।

गुरुग्राम। मौसम में परिवर्तन के कारण जहां डेंगू पैर पसार रहा है। वहीं दूसरी ओर वायरल बुखार कहर बरपा रहा है। बड़ी संख्या में बुखार के मरीज अस्पतालों की ओपीडी में पहुंच रहे हैं। निजी व सरकारी अस्पताल के अलावा सीएचसी-पीएचसी में बुखार के मरीजों की संख्या तीन गुना बढ़ गई है।

सोमवार को सिविल अस्पताल में सुबह सात बजे से ही मरीजों के आने का सिलसिला शुरू हुआ और आठ बजे तक पर्चा बनवाकर मरीज डाक्टरों के कक्षों के बाहर लाइनों में लग गए। वायरल बुखार से पीड़ित मरीज जोड़ों के दर्द से भी परेशान हैं। मरीज को जोड़ों की हड्डी में बेतहाशा दर्द हो रहा है।

सबसे ज्यादा दिक्कत बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को हो रही है। वह हड्डी के दर्द से ज्यादा परेशान हैं। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. नवीन कुमार ने बताया कि वायरल इंफेक्शन के कारण मरीजों को बुखार हो रहा है।

यह इन्फेक्शन शरीर में बना रह रहा है। इससे इम्यूनिटी भी प्रभावित हो रही है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण संक्रमण का असर जोड़ों की हड्डियों पर पड़ रहा है। इससे लोग जोड़ों के दर्द से परेशान हो रहे हैं। डेंगू के मरीजों में भी जोड़ों के दर्द की समस्या हो रही है। इसके अलावा वायरल बुखार के मरीज भी जोड़ों की दर्द की समस्या को लेकर ओपीडी में आ रहे हैं। इस वजह से इन दोनों बीमारियों के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है।बताया कि ओपीडी में करीब 400 मरीजों से जांच कराई। इसमें 45 प्रतिशत मरीज वायरल से पीड़ित पहुंचे थे।

डॉ. काजल, वरिष्ठ फिजिशियन

बच्चे भी बुखार-सर्दी की चपेट में

बाल रोग विशेषज्ञ डा. उमेश ने बताया कि ओपीडी में 300 से ज्यादा पीड़ित बच्चों की जांच की गई। इसमें सबसे ज्यादा सर्दी- बुखार और डायरिया से पीड़ित पाए गए। उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव के कारण परिजनों को काफी सतर्कता बरतने की जरूरत है।

चर्म रोग भी बड़ा

मौसम में परिवर्तन के कारण इन दिनों चर्म रोग के मरीज भी बढ़ गए है। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज मेहता ने बताया कि फंगल इंफेक्शन, फोड़े-फुंसी, खुजली, चिकन पाक्स और हर्पीज जोस्टर से पीड़ित मरीज पहुंच रहे हैं। सोमवार को 200 से ज्यादा पीड़ितों ने चर्म रोग से संबंधित बीमारी की जांच कराई।

33 बेड, सभी फुल

सिविल अस्पताल में जनरल वार्ड में 33 बेड है। जो डेंगू के मरीजों से फुल है। इसके अलावा 12 बेउ का बच्चा वार्ड भी फुल हो रखा है। यहां तो एक बेड पर दो-दो बच्चों का इलाज किया जा रहा है।

दो दिन पहले बैठक कर सभी जोनल प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं।

प्रत्येक वार्ड के 20 बड़े बकायेदारों की सूची तैयार, 15 सितंबर से चलेगा अभियान

परिवहन विशेष न्यूज

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा ने बताया कि गाजियाबाद शहर में बड़े बकायेदारों से संपत्ति कर की वसूली के लिए तैयारी की गई है। दो दिन पहले बैठक कर सभी जोनल प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं। वार्ड वार 20 बड़े बकायेदारों की सूची तैयार की गई है। इनसे वसूली के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। 15 सितंबर से अभियान चलाया जाएगा।

गाजियाबाद। गाजियाबाद शहर में विकास कार्य के लिए संपत्ति कर से अर्जित धनराशि का इस्तेमाल प्रमुखता से किया जाता है। यह नगर निगम की आय का प्रमुख स्त्रोत है। लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे बकायेदार हैं, जिन पर करोड़ों रुपये का संपत्ति कर बकाया है, उनसे वसूली नहीं हो पा रही है।

ऐसे में नगर निगम के अधिकारी फंड की कमी बताकर विकास कार्य कराने से मना कर देते हैं, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी मुद्दे को लेकर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा से विस्तृत बातचीत की, पेश हैं बातचीत के प्रमुख अंश...

शहर में बकायेदारों से संपत्ति कर की वसूली क्यों नहीं हो पा रही है, क्या ऐसे लोगों को चिह्नित किया गया है?

शहर में बड़े बकायेदारों से संपत्ति कर की वसूली के लिए तैयारी की गई है। दो दिन पहले बैठक कर सभी जोनल प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं। वार्ड वार 20 बड़े बकायेदारों की सूची तैयार की गई है। इनसे वसूली के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। 15 सितंबर से अभियान चलाया जाएगा, जिसमें संपत्ति कर न जमा करने वालों के खिलाफ सख्ती की जाएगी।

जो लोग खाली प्लाट में व्यवसाय कर रहे हैं, उनसे संपत्ति कर की वसूली किस आधार पर की जाती है?

खाली प्लाट पर भी संपत्ति कर लगाया जाता है। यदि प्लाट में व्यवसायिक गतिविधि हो रही है तो संपत्ति कर का निर्धारण भी व्यवसायिक की तरह होगा, यदि कोई इससे छूट रहा है तो जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में जोनल प्रभारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे।

कुछ लोगों की शिकायत है कि उनकी संपत्ति पर गलत तरीके से टैक्स लगाया गया है, जिस कारण उनको परेशानी का सामना करना पड़ रहा है?

2013 से पहले जमीन के दाम के आधार पर टैक्स लगता था, इसके बाद पॉलिसी बदल गई है। जिन लोगों ने लंबे समय से संपत्ति कर जमा नहीं कराया है। उनके संपत्ति कर में इस तरह की समस्या आती है, लंबे समय से संपत्ति कर जमा नहीं किए जाने के कारण ब्याज भी अदा करना पड़ता है। शिकायत मिलने पर समस्या का समाधान कराया जाता है।

कई सरकारी विभाग ऐसे हैं, जो संपत्ति कर जमा नहीं कर रहे हैं। उनसे किस तरह से वसूली की जाएगी?

सरकारी विभागों पर लगभग 130 करोड़ रुपये से अधिक का संपत्ति कर बकाया है। वसूली के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी को डिमांड नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इस बार ऐसे मामलों में शासन स्तर से भी सूची मांगी गई है, जिससे कि शासन स्तर पर संबंधित विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर बकाया संपत्ति कर जमा कराया जा सके।

हाल ही में कार्यकारिणी की बैठक में अस्पतालों के लाइसेंस से जुड़ा मामला सामने आया था, उसमें बदलाव के लिए सुझाव दिए गए थे, क्या इसमें अभी कुछ बदलाव हुआ है?

नहीं, लाइसेंस शुल्क में बदलाव के लिए प्रक्रिया लंबी है। इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर कार्यकारिणी और बोर्ड से पास कराना होगा। बैठक में पांच बेड, 10 बेड और 15 बेड के अस्पतालों और नर्सिंग होम के लिए लाइसेंस शुल्क अलग से निर्धारित किए जाने का सुझाव मिला है। अभी तो पहले से ही तय लाइसेंस शुल्क के आधार पर ही वसूली की जा रही है।

अगस्त महीने में टाटा के Punch कार की जबरदस्त सेल; टियागो, नेक्सॉन और अल्ट्रोज मॉडल ने भी मारी बाज़ी

भारत की तीसरी सबसे बड़ी चार पहिया वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स (Tata Motors) है. कंपनी पेट्रोल और डीजल के अलावा इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में भी आए दिन मार्केट में काफी सारे चार पहिया वाहन पेश कर रही है. जिस कारण से कंपनी के गाड़ियों की सेल बढ़ी है. इस आर्टिकल में हम अगस्त महीने के दौरान टाटा मोटर्स (August Tata Car Sales) द्वारा बेचे गए सबसे अधिक कार मॉडल के बारे में जानेंगे.

पंच (Punch) रही पहले पायदान पर

अगस्त महीने में टाटा मोटर्स कंपनी ने पंच मॉडल के करीब 14,523 यूनिट का सेल किया है. वही अगस्त 2022 में कंपनी ने पंच मॉडल के करीब 12,006 यूनिट का सेल किया है. अर्थात साल दर साल के आधार पर सेल में 10 फ़ीसदी से अधिक की ग्रोथ देखने को मिली है.

टियागो और टियागो ईवी (Tiago / EV)

दूसरे पायदान पर टियागो और टियागो ईवी मॉडल रही है. अगस्त 2023 में इसके कुल 9,463 यूनिट का सेल हुआ है. वहीं अगस्त 2022 में 7,209 यूनिट का सेल हुआ है.

नेक्सॉन / नेक्सॉन ईवी (Nexon / EV) मॉडल तीसरे पायदान पर

तीसरे पायदान पर नेक्सॉन मॉडल मौजूद है. अगस्त 2023 में कंपनी ने इसके कुल 8,049 यूनिट का सेल किया है. ध्यान रहे इसमें इलेक्ट्रिक नेक्सॉन मॉडल की भी सेल शामिल है. अगस्त 2022 में कंपनी ने नेक्सॉन मॉडल के कुल 15,085 यूनिट का सेल किया था.

अल्ट्रोज (Altroz)

चौथे पायदान पर अल्टरोज मॉडल मौजूद है कंपनी ने अगस्त 2023 में इसके कुल 7,825 यूनिट का सेल किया था. अगस्त 2022 में कंपनी ने इसके कुल 4,968 यूनिट का सेल किया था. सालाना आधार पर देखें तो यहां पर करीब 57 फीसदी की सेल ग्रोथ देखने को मिली है.

टिगोर और टिगोर ईवी (Tigor / EV)

पांच में पायदान पर टिगोर मॉडल मौजूद है अगस्त 2023 में टाटा कंपनी ने इसके कुल 2,947 यूनिट का सेल किया था. ध्यान रहे इस सेल के अंतर्गत टिगोर ईवी का भी सेल का आंकड़ा जोड़ा गया है. कंपनी ने अगस्त 2022 में इसके कुल 3,486 यूनिट का सेल किया था.

हैरियर मॉडल (Harrier)

छठवें में पायदान पर हैरियर मॉडल मौजूद है कंपनी ने अगस्त 2023 में इसके कुल 1,689 यूनिट का सेल किया था. अगस्त 2022 में कंपनी ने हैरियर के कुल 2,596 यूनिट का सेल किया था.

सफारी (Safari)

सातवें पायदान पर सफारी मॉडल है. टाटा कंपनी में अगस्त 2023 में सफारी के कुल 1,019 यूनिट का सेल किया है. अगस्त 2022 में कंपनी ने सफारी के कुल 1,820 यूनिट का सेल किया है।

सस्ते कीमत में आ गई 730Km तक की रेंज वाली ये नई ईवी, देखें कीमत और बैटरी पैक

नई दिल्ली: BYD Tang EV. देश दुनिया में इलेक्ट्रिक गाड़ियां धड़ल्ले से लांच होती चली जा रही है। तो वही चीनी ऑटोमोबाइल कंपनी BYD ने तो कमाल ही कर दिया है। कंपनी ने अपने नए प्लान के तहत फ्यूचरिस्टिक इलेक्ट्रिक कार को लांच कर दिया है। जो 5G से लैस करीब 700 किलोमीटर की रेंज में दे सकती है।

BYD ग्राहकों के लिए ऐसे प्लान पर काम कर रही है, जिससे कम कीमत में मार्केट में कार आ जाए, जिससे यह नया ईवी कंपनी के मौजूदा पोर्टफोलियो में सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कर है। कंपनी ग्राहकों को सस्ते कीमत में इलेक्ट्रिक कर लाना चाहती है जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग खरीद पाए।

BYD टैंग EV की कीमतें

BYD टैंग EV के कीमतों की बात करें तो कंपनी ने इसके बैटरी के बेस्ड कई मॉडल में लॉन्च किया है, जिससे ग्राहक अपने बजट में घर ला सकते हैं।

BYD टैंग EV 600 Km रेंज वाले वर्जन की कीमत 249,800 युआन (करीब 28.41 लाख रुपए) है।

730 Km वैरिएंट की कीमत 269,800 युआन (करीब 30.68 लाख रुपए) है।

वही 4-व्हील ड्राइव वैरिएंट की कीमत 299,800 युआन (करीब 34.09 लाख रुपए) है।

BYD टैंग EV में मिलती होश उड़ने वाली बैटरी पैक और रेंज

BYD टैंग EV के बेस मॉडल कंपनी ने फ्रंट सिंगल मोटर से लगाया है जो 225 hp की अधिकतम पावर और 350 Nm का पीक टॉर्क पैदा करता है। जिससे फुल चार्ज में यह 600 Km से लेकर 730 Km की दूरी तय करता है।

वही टॉप-स्पेक वैरिएंट को फोर-व्हील ड्राइव सेटअप मिलता है, जिसके फ्रंट और रियर मोटर 510 hp और 700 Nm का आउटपुट देते हैं। इसकी रेंज 635 Km है। 4WD वैरिएंट के साथ 0 से 100 Km प्रति घंटे की रफ्तार महज 4.4 सेकेड में पकड़ लेती है।

वही BYD टैंग के सभी वैरिएंट में ब्लेड LFP बैटरी लगाई है, जिसमे तीनों ही वैरिएंट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट मिलत है. जिससे 30% से 80% तक चार्ज होने में सिर्फ 30 मिनट लगते हैं। सिर्फ 10 मिनट की चार्जिंग में ये 173 Km की दूरी तय कर सकते हैं।

शीमा इलैक्ट्रिक ने विश्व इलेक्ट्रिक वाहन दिवस के मौके पर अपने हाइस्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटरों की रेंज पेश की

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। भारत में इलैक्ट्रिक स्कूटरों के अग्रणी निर्माता शीमा ई-व्हीकल एंड सोलर प्राइवेट लिमिटेड (एसईएस) ने अपने हाइ स्पीड स्कूटरों - Eagle+ और TUFF+ की नई रेंज लॉन्च की है। नवीनतम बैटरी टैक्नोलॉजी से सुसज्जित ये स्कूटर बी2बी और बी2सी दोनों वर्ग के लिए उपयुक्त हैं।

2016 में लॉन्च शीमा इलैक्ट्रिक ऐसी पहली कंपनी थी जिसने 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत अपने लो-स्पीड इलैक्ट्रिक स्कूटरों का निर्माण किया। कंपनी लगातार अथक अनुसंधान, नवोन्मेष और तकनीकी उत्कृष्टता के बलबूते उन्नत इलैक्ट्रिक स्कूटरों को उपलब्ध करा रही है। इसके सभी वाहनों का निर्माण कंपनी की मानेसर और ओडिशा स्थित अत्याधुनिक निर्माण इकाइयों में किया जाता है।

नए सेग्मेंट को पेश करते हुए, योगेश कुमार लाठ, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा, "शीमा इलैक्ट्रिक लगातार ऊर्जा दक्षता, सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) और अत्याधुनिक टैक्नोलॉजी पर ज़ोर देते हुए भारतीय मोबिलिटी के भविष्य को संवारने में जुटी है। इस विश्व इलैक्ट्रिक वाहन दिवस के मौके पर, हमने हाइ-स्पीड और मजबूत दोपहिया वाहनों की मांग को पूरा करने वाले उन्नत डिजाइन के दो नए इलैक्ट्रिक स्कूटरों को पेश किया है। हम देश को हरा-भरा बनाने के अपने सफर में अपने डीलरों, वितरकों और ग्राहकों से मिल रहे अपार सहयोग के लिए उनके आभारी हैं।"

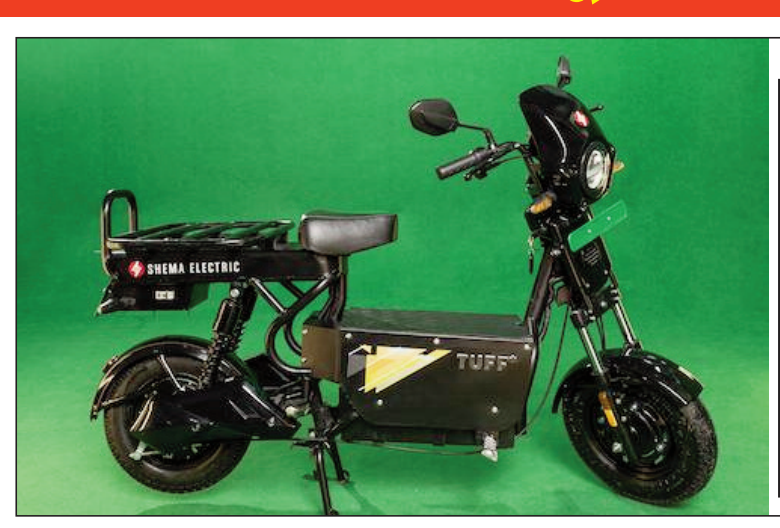

- कंपनी ने पिछले दो वर्षों में 3X विकास दर्ज कराया
- हाल में लॉन्च स्कूटर Eagle+ और TUFF+ 'मेक इन इंडिया' मिशन के तहत FAME II सब्सिडी के पात्र

TUFF+ मल्टी-यूटिलिटी ईवी लोडर है जिसकी क्षमता 150 किलोग्राम तथा अधिकतम स्पीड 60 किलोमीटर/घंटा है जबकि Eagle+ पैसेंजर दोपहिया है जिसकी अधिकतम स्पीड 50 किलोमीटर/घंटा है। ये दोनों स्कूटर ब्लूटूथ स्पीकर, एंटी-थैफ्ट अलार्म, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और सैंट्रल लॉकिंग सिस्टम जैसी अतिरिक्त एक्सेसरीज़ की सुविधा भी उपलब्ध कराते हैं। Eagle+ में सन मोबिलिटी IP67 वॉटरप्रूफ स्वॉपेबल बैटरी लगी है जिससे यह स्कूटर किफायती साबित होता है, खासतौर से लास्ट-माइल डिलीवरी के लिहाज़ से यह कम खर्चीला वाहन है।

इन दोनों स्कूटरों को देशभर में शीमा के डीलर शोरूमों से खरीदा जा सकता है, TUFF+ की आमंत्रण कीमत 139,999 और Eagle+ की 117,1999 है (दोनों एक्स-शोरूम कीमतें)। इलैक्ट्रिक स्कूटरों की यह रेंज FAME II और राज्य स्तरीय सब्सिडी की भी पात्र है, जो कि इस बात पर निर्भर है कि इन्हें किस स्थान पर खरीदा जा रहा है।

कंपनी ने देश के प्रमुख इलैक्ट्रिक वाहन वितरकों और मार्केटप्लेसों के साथ मल्टीपल प्रोडक्शन पार्टनरशिप की हैं और अब तक यह 20,000 इलैक्ट्रिक वाहन एग्रीगेटरों की तैनाती कर चुकी है। इसके अलावा, शीमा इलैक्ट्रिक अपने उत्पादों को अपने खुद के ब्रैंड नाम के तहत भी बेचती है तथा सुगम आफ्टर-सेल्स सर्विस भी प्रदान करती है।

महंगाई नियंत्रण की कठिन चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय बढ़ती हुई महंगाई लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। महंगाई के लिए खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति संबंधी चिंताओं के बीच इस समय सऊदी अरब और रूस द्वारा कच्चे तेल उत्पादन में कटौती के निर्णय से कच्चे तेल की कीमतें पिछले 10 माह के उच्चतम स्तर लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने से महंगाई की चुनौती और कठिन हो गई है।

दालों का आयात बढ़ाए जाने से दालों की महंगाई भी कम हो सकती है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि भारत के पास अगस्त 2023 में 595 अरब डॉलर का जो विशाल विदेशी मुद्रा भंडार चमकते हुए दिखाई दे रहा है, वह भी महंगाई नियंत्रण में अहम भूमिका निभा सकता है। देश में 29 अगस्त को एथनॉल फ्यूल से चलने वाली जो दुनिया की पहली इलेक्ट्रिफाइड फ्लेक्स फ्यूल कार लांच की गई है, उसी क्रम में एथनॉल फ्यूल से चलने वाली कारों का रणनीतिक रूप से तेजी से उत्पादन बढ़ाया जाना होगा। हम उम्मीद करें कि सरकार खाद्य पदार्थों में तेज महंगाई के बढ़ते चिंताजनक ग्राफ के मद्देनजर महंगाई नियंत्रण के कारगर रणनीतिक प्रयास करेगी'

यकीनन इस समय बढ़ती हुई महंगाई लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। महंगाई के लिए खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति संबंधी चिंताओं के बीच इस समय सऊदी अरब और रूस द्वारा कच्चे तेल उत्पादन में कटौती के निर्णय से कच्चे तेल की कीमतें पिछले 10 माह के उच्चतम स्तर लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने से महंगाई की चुनौती और कठिन हो गई है। ऐसे में सरकार के लिए महंगाई कम करना बड़ा मुद्दा बन गया है। यद्यपि केंद्र सरकार ने 29 अगस्त को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपए घटाकर बड़ी राहत दी है, लेकिन आम आदमी सरकार से खाद्य पदार्थों की कीमतों के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल के दामों में कुछ कमी की भी अपेक्षा कर रहा है। हाल ही में 5 सितंबर को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जुलाई 2023 में जो मुद्रास्फीति सप्लाई चेन के झटकों के कारण ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, उसे कम करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुसार जून 2023 में जो खुदरा महंगाई दर 4.87 फीसदी थी, वह माह जुलाई में 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण खुदरा महंगाई दर केंद्र सरकार के 6 प्रतिशत की तय ऊपरी सीमा से अधिक है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5.4 फीसदी कर दिया है।

इस समय खाद्य कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कई कारण उभरकर दिखाई दे रहे हैं। काला सागर अनाज समझौता खत्म करने के रूस के फैसले और गेहूं उपजाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में बारिश नहीं होने के कारण अनाज के दाम बढ़ गए हैं। देश में फसलों पर सफेद मक्खी के प्रकोप और मॉनसूनी बारिश के असमान वितरण से भी सब्जियां महंगी हुई हैं। स्थिति यह है कि सीमित आपूर्ति के कारण देश में थोक गेहूं की कीमतें पिछले दो महीनों में तेजी से बढ़ी हैं। सरकार के गोदामों में भी गेहूं के स्टॉक में कमी आई है। बाजार में नकदी ज्यादा रहने से भी महंगाई बढ़ी है। मौसम विज्ञानियों ने इस बार अलनीनो के हावी रहने से भारत का 30 सितंबर तक का मानसून सीजन सामान्य से कम यानी 94 फीसदी से कम बारिश के साथ समाप्त होने की बात कही है। मौसमी विज्ञानियों के मुताबिक अलनीनो के अगले साल मार्च-अप्रैल तक इसी स्थिति में रहने की संभावना है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश में खाद्य कीमतों के कारण बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार और आरबीआई कई प्रयासों के साथ आगे बढ़े हैं। 24 अगस्त को आयोजित आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा बैठक में टमाटर सहित अन्य सब्जियों की बढ़ती कीमतों के कारण ब्याज दर को न बदलते हुए 6.5 प्रतिशत रखने का महत्वपूर्ण फैसला किया गया है। केंद्र सरकार के द्वारा खाद्य पदार्थों के निर्यात पर लगातार सख्ती बरती जा रही है। पिछले साल रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद कम उत्पादन के कारण गेहूं के निर्यात पर जो पाबंदी लगाई थी, वह अब तक जारी है। सरकार ने बासमती चावल के निर्यात के लिए 1200 डॉलर प्रति टन को न्यूनमत मूल्य तय किया है। प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाया है। केंद्र ने 25 अगस्त से उबले चावल के निर्यात पर भी 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। गेहूं और चावल की बढ़ती कीमतों को काबू करने की कोशिश में सरकार जुटी हुई है। इसलिए सरकार ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के जरिए रियायती दर पर गेहूं और चावल दोनों बेच रही है।

इसी तरह सब्जियों, दालों और तिलहन के दाम काबू में रखने के लिए भी खास उपाय किए गए हैं। सरकार पेट्रोल का आयात खर्च घटाने और कम कीमत रखने के मद्देनजर पेट्रोल में 10 फीसदी इथेनॉल ब्लेंडिंग कर रही है। स्थिति यह है कि महंगाई नियंत्रण के इन विभिन्न प्रयासों के बावजूद अभी खाद्य महंगाई नियंत्रित नहीं है। वित्त मंत्रालय ने भी जुलाई 2023 की अपनी रिपोर्ट में आगाह किया है कि वैश्विक तथा क्षेत्रीय अनिश्चितताओं और देश के भीतर आपूर्ति में अड़चनों की वजह से आने वाले महीनों में भी महंगाई ऊंची बनी रह सकती है। महंगाई पर नियंत्रण इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि एक निश्चित समय से महंगाई की दर अधिक रहने से आम आदमी की मुश्किलों के साथ आर्थिक विकास भी प्रभावित होता है। हम देश में प्याज और टमाटरों की बढ़ी हुई कीमतों का चुनाव पर बड़ा असर भी देख चुके हैं। ऐसे में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति बढ़ाने और खुदरा महंगाई दर पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को अधिक कारगर उपायों के साथ आगे आना होगा। यद्यपि पेट्रोल-डीजल के दामों में पिछले 15 माह में गिरावट आई है, लेकिन उनके दाम जस के तस बने हुए हैं। मई 2022 में कच्चे तेल की कीमतें करीब 110 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अभी 90 डॉलर प्रति बैरल हैं। साथ ही भारत की पेट्रोल-डीजल कंपनियां कुछ मात्रा में घरेलू कीमत घटाने की स्थिति में हैं। ऐसे में केंद्र सरकार के द्वारा पेट्रोल व डीजल पर सीमा व उत्पाद शुल्क में और राज्यों सरकारों द्वारा वैट में कमी के कदम भी फिर जरूरी दिखाई दे रहे हैं। देश में जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज की जानी होगी। खाद्य पदार्थों के थोक एवं खुदरा व्यापारियों के लिए भी उपयुक्त भंडारण सीमा लागू की जानी होगी।

अतिरिक्त नकदी की निकासी पर रिजर्व बैंक को ध्यान देना होगा। अभी से आवश्यक खाद्य पदार्थों के उपयुक्त रूप से आयात की रणनीति से मजबूत आपूर्ति से खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी को नियंत्रित किया जाना होगा। साथ ही सरकार के द्वारा आम उपभोक्ताओं तक रियायती मूल्यों पर प्याज, गेहूं, दालों की आपूर्ति सुनिश्चित की जानी होगी। गेहूं की कीमतों को कम करने के लिए रूस से छूट पर 30 से 40 लाख टन गेहूं आयात किया जाना उपयुक्त हो सकता है। भारत रूस से क्रूड आयल आयात में छूट की तरह गेहूं आयात में भी छूट हासिल कर सकता है। दालों का आयात बढ़ाए जाने से दालों की महंगाई भी कम हो सकती है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि भारत के पास अगस्त 2023 में 595 अरब डॉलर का जो विशाल विदेशी मुद्रा भंडार चमकते हुए दिखाई दे रहा है, वह भी महंगाई नियंत्रण में अहम भूमिका निभा सकता है। देश में 29 अगस्त को एथनॉल फ्यूल से चलने वाली जो दुनिया की पहली इलेक्ट्रिफाइड फ्लेक्स फ्यूल कार लांच की गई है, उसी क्रम में एथनॉल फ्यूल से चलने वाली कारों का रणनीतिक रूप से तेजी से उत्पादन बढ़ाया जाना होगा। हम उम्मीद करें कि सरकार खाद्य पदार्थों में तेज महंगाई के बढ़ते चिंताजनक ग्राफ के मद्देनजर महंगाई नियंत्रण के कारगर रणनीतिक प्रयासों से देश के आम आदमी को राहत देने और अर्थव्यवस्था को महंगाई के खतरों से बचाने के लिए हरसंभव प्रयासों के साथ तेजी से आगे बढ़ेगी।

संपादक की कलम से

जी-20 में अफ्रीकी संघ

राजधानी दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत ने कुछ अभूतपूर्व, वैश्विक और कूटनीतिक सफलताएं हासिल की हैं। सम्मेलन की शुरुआत के बाद 10 मिनट में ही प्रधानमंत्री मोदी ने 'अफ्रीकी संघ' को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित करा लिया। यही नहीं, संघ के अध्यक्ष अजाली असौमानी को अपना स्थान ग्रहण करने को आमंत्रित भी किया। वह आए और प्रधानमंत्री मोदी से गले मिले और फिर स्थान ग्रहण किया। यकीनन यह ऐसा क्रांतिकारी निर्णय था कि एक साथ 55 अफ्रीकी देश झूम उठे होंगे, क्योंकि हाशिए से उठकर वैश्विक मुख्यधारा का हिस्सा बनने का उन्हें अवसर मिला है। अब तीसरी दुनिया अथवा ग्लोबल साउथ का एक हिस्सा विश्व की विकसित तथा सबसे तेज अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों से जुड़ेगा। ज्यादातर अफ्रीकी देश गरीब, पिछड़े, बीमार, कुपोषित और भुखमरी के शिकार रहे हैं। कुछ देश आर्थिक विकास के रास्ते पर आगे बढने लगे थे, लेकिन कोरोना महामारी ने बहुत कुछ ध्वस्त कर दिया। चीन ने इन देशों की दुरावस्था का नाजायज फायदा उठाया है। हालांकि उसका निवेश 300 अरब डॉलर से अधिक का है। वह 9 अफ्रीकी देशों के अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी मदद कर रहा है। करीब 10 हजार कंपनियां अलग-अलग अफ्रीकी देशों में कार्यरत हैं, लेकिन अफ्रीकी देश महसूस करते हैं कि वे चीन के कर्ज तले दबे हैं, लिहाजा उससे मुक्ति चाहते हैं। भारत उनके लिए 'देवदूत' साबित हो सकता है। वैसे भी भारत अफ्रीकी देशों में 197 परियोजनाएं सम्पन्न कर चुका है। अब भी भारत की 182 से अधिक परियोजनाएं जारी हैं। अफ्रीकी देशों के 25,000 से ज्यादा छात्र भारत में पढ़ते हैं।

हमने 12 अरब डॉलर का कर्ज बेहद कम ब्याज दरों पर अफ्रीकी देशों को मुहैया कराया है। भारत ने कोरोना महामारी के टीके, जेनेरिक दवाइयां, खाद्य सामग्री आदि भी उपलब्ध कराई हैं और हम अफ्रीकी आबादी को कंप्यूटर और उससे जुड़े प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। भारत कृषि, स्वास्थ्य, फॉर्मेसी, कपड़ा, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और ढांचागत विकास कार्यों आदि में काम कर रहा है। भारत अफ्रीकी देशों में सबसे बड़े निवेशकों में एक देश है। अब 'अफ्रीकी संघ' के जी-20 के स्थायी सदस्य बनने के बाद उन्हें अधिक आसान ऋण, निवेश और विकास बैंकों की मदद भी मिल सकेगी। यही जी-20 के 'एक पृथ्वी, एक परिवार' के सूत्रवाक्य को चरितार्थ कर रहा है। इसका व्यापक असर यह होगा कि चीन को अपनी 'अफ्रीकी नीति' बदलनी पड़ेगी। यकीनन यह भारत की 'असाधारण उपलब्धि' है, क्योंकि हमने अपने संबंधों के बूते सर्वसम्मति तैयार की थी। दूसरी विराट उपलब्धि यह है कि भारत, अमरीका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली, यानी यूरोप के बीच समुद्री जहाज और रेलगाड़ी का 'आर्थिक समृद्धि कॉरिडोर' बनाने पर भी सहमति बनी है। यह अभूतपूर्व और बेमिसाल गलियारा होगा और इसके देशों के बीच कारोबार, आवाजाही, परिवहन आदि को ऐसे पंख लगेंगे, जिनकी कल्पना ही की जा सकती है। चीन-पाकिस्तान वाला गलियारा तो नाकाम हो चुका।

वैसे भारत रूस और ईरान वाले कॉरिडोर का भी हिस्सा है, लेकिन प्रस्तावित गलियारा उससे अलग और बड़ा विस्तृत होगा। तीसरी उपलब्धि यह रही कि भारत 37 पन्नों के 'नई दिल्ली घोषणा-पत्र' पर 100 फीसदी सहमतियां बनाने में कामयाब रहा। अटकलें लगाई जा रही थीं कि घोषणा-पत्र जारी होने में मुश्किलें आएंगी, लेकिन भारत ने युद्ध और यूक्रेन का जिक्र भी किया। यूक्रेन का उल्लेख 4 बार किया गया है, लेकिन रूस का नाम नहीं लिया गया। भारत को यह समझौता जरूर करना पड़ा। कहा गया कि युद्ध के असर बड़े व्यापक होते हैं, लिहाजा यह युद्ध का युग नहीं है। परमाणु हथियारों की धमकी या उनका इस्तेमाल भी अस्वीकार्य है।

राय

अब सोशल मीडिया की आपदा

हिमाचल की आपदा ने एक नया मनोविज्ञान, सोच का आधार और वक्त को सहेजने की दरकार पैदा की है। कुछ पात्र बदले हैं और इरादे भी पर्वतीय अंचल में उठे विनाश को दरकिनार करने की तरकीब में शीर्षासन कर रहे हैं। हिमाचल में यूं तो आज तक हुआ बहुत, मगर पाया क्या। तरक्की के गुलगुले छानते-छानते हमने रेत के महल में महफिल सजा दी। कमोबेश हर सरकार ने सियासी टोने टोटके किए, विकास के लक्ष्य और मंजिलें आकाश की तरफ उठा दीं। तीव्रगामी सरकारों ने पहाड़ पर इतने आंकड़े लाद दिए कि यह बोझ लिए, सदी ने अपने प्रश्न बदल दिए। इसी आपदा में सोशल मीडिया का संसार गाली गलौज करने पर उतर आया या उसे भ्रम हो गया कि अब पृथ्वी पर उसकी बुद्धि ही अपराजेय होगी। सोशल मीडिया की इसी लड़ाई के योद्धा से पूछा जाए कि उसका योगदान क्या है, तो बगलें झांकेगा, लेकिन कहने को दोष की अंगुलियां पहन कर हर इशारा करेगा। शिमला ही की बात करें, तो निर्माण के भूत तो हम ही निकलेंगे। इसमें दो राय नहीं कि प्रशासनिक ढील के चलते सारे कायदे कानून ढीले हो गए, तो सामाजिक और सियासी व्यवस्था ने यह जुर्म साझा करके इसे नए हिमाचल की पहचान बना दिया। शिमला में बसने का दबाव सियासत और समाज से आया जहां अफसरशाही तथा नौकरशाही ने हाथ धो लिए। हिमाचल में पेड़ और पेट का रिश्ता आज तक समझा नहीं गया।

पहले पेड़ और पेट आपस में मैत्रीभाव रखते थे। अब पेट कहता है पेड़ उखाड़ो। हमारी जीवनशैली यूं तो पेड़ से उखड़ गई, लेकिन हमने यह जिद्द भी नहीं की कि पर्वतीय होने के मायने क्या हैं। क्या हमने सेब आर्थिकी से जमीन के पानी और आबोहवा की निगरानी को विचलित नहीं किया। क्या हमने वन संरक्षण के नाम पर ऐसे पेड़ नहीं उगाए, जो केवल आंकड़ों में उग-उग कर चीड़ हो गए और जंगल कभी वन्य प्राणियों के बहाने, तो कभी आग के मुहाने तक बस्ती में उतर आया। पर्वतीय वास्तुकला के हिसाब से क्या भवन खड़ा करना मुमकिन है। जरा सोचें उस हिसाब से क्या इमारती लकड़ी मिल जाएगी, जो हमारी दीवारों और छत को पूरा कर देगी। क्या हमें खड्ड-नदी के पत्थर पर्वतीय निर्माण की कला में नींव को सुदृढ़ करने को मिल जाएंगे। जरा बाजार में खड़ा होकर पूछना कि वहां हिमाचल की मांग को पूरा करने आयातित लकड़ी कहां से आ रही। कहां से आ रही हैं ईंटें, स्टील, एल्यूमिनियम और छत का सामान। क्या पहाड़ी छत के लिए पारंपरिक स्लेट उपलब्ध हैं। क्या जीने लायक सुरक्षित जमीन उपलब्ध है। इसलिए आपदा सिर्फ आलोचना में नहीं, नए कत्तव्यों और नए अधिकारों की फरमाइश करती है। बढ़ती मांग में उफनती जीवन शैली को जिम्मेदारी का एहसास कराती है।

बदलने पड़ेंगे निजी और सार्वजनिक विकास के तौर तरीके। कहीं तो रोकनी पड़ेंगी, इच्छाएं और महत्त्वाकांक्षाएं। सोचना पड़ेगा कि बदलती आवासीय सुविधाओं के लिए सुरक्षित शहर कैसे बसाए जाएं। सोचना पड़ेगा कि सार्वजनिक परिवहन के जरिए कैसे निजी वाहनों का दबाव घटाएं। बेशक सुक्खू सरकार ने आपदा के भंवर में प्रदेश को राहत के बड़े पैगाम, कुछ नसीहतें और भविष्य के सिद्धांत दिए और यही वजह है कि आपदा से जूझते पीडब्ल्यूडी, विद्युत व जलशक्ति विभागों ने तमाम टूटी परियोजनाओं, सडक़ों और सप्लाई चेन को फिर से जोड़ दिया। इसी संदर्भ में हिमाचल सरकार ने दो हफ्ते निर्माण पर पाबंदी लगाकर सुरक्षा कवच को मजबूत करने का कदम उठाया है। ऐसे में सोशल मीडिया पर चल रही ज्ञानवर्द्धन सामग्री के बजाय सभी जन ये सोचें कि पर्वत के प्रति वफादारी के लिए दीवारें नहीं, जिम्मेदारी के फलक खड़े करने पड़ेंगे।

रैगिंग की बढ़ती घटनाएं खौफनाक त्रासदी

जनमानस को एकजुट होकर इसका खात्मा करना होगा ताकि छात्र-छात्राएं निर्भीक होकर अपनी पढ़ाई कर सकै। रैगिंग के बढ़ते जाल को काटना होगा ताकि भविष्य में इन घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और शिक्षण संस्थानों में माहौल खराब न हो'

देश में हिमाचल का बहुचर्चित अमन काचरु रैगिंग कांड के बाद भी विश्वविद्यालयों व कालेजों में रैगिंग का संक्रमण बढ़ता जा रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने रैगिंग पर पूर्ण प्रतिबंध का कानून लागू किया है, मगर देश में रैगिंग के बढ़ते मामलों से यह कानून मजाक बनता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में हिमाचल के आईआईटी मंडी मे रैगिंग की घटना सामने आई है। आईआईटी प्रबंधन ने आरोपी 10 छात्रों को छह महीने के लिए निष्कासित कर दिया है तथा 72 छात्रों पर 15 से 25 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया गया है। यह मामला बीते 11 अगस्त 2023 का है। आईआईटी मंडी में घटित यह बहुत ही संगीन मामला है। इस मामले पर प्रशासन को कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। देश में रैगिंग के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। रैगिंग के कारण प्रताड़ित छात्र आत्महत्या तक कर रहे हैं। पिछले दिनों एम्स बिलासपुर में भी एक मामला हो चुका है। वहां भी एक छात्रा ने आत्महत्या की कोशिश की थी, मगर बच गई थी। यूजीसी के आकड़ों के मुताबिक 2020 में देश में रैगिंग के 219 मामले सामने आए थे। 2021 में रैगिंग के 511 मामले हुए थे। 2019 में उत्तर प्रदेश के इटावा में सैफई मेडिकल विश्वविद्यालय में रैगिंग का मामला घटित हुआ था, जहां सीनियर छात्रों ने 150 छात्रों के सिर मुंडवा दिए थे। यह एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के छात्र थे। रैगिंग के मामलों में वृद्धि खतरनाक साबित हो रही है। वर्ष 2018 में ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश के भोपाल में घटित हुआ था, जहां रैगिंग से तंग आकर बी. फार्मा की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी। छात्रा के सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने चार लड़कियों व एक अध्यापिका को गिरफ्तार कर लिया था। रैगिंग का यह कोई अकेला मामला नहीं है, इससे पहले कई जघन्य वारदातें हो चुकी हैं। इतनी वारदातें होने के बाद भी इन घटनाओं पर रोक नहीं लग रही है।

रैगिंग छात्रों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। रैगिंग की इन वारदातों से छात्र खौफजदा होते जा रहे हैं। अगर यही हाल रहा तो छात्रों के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा सकते हैं, क्योंकि इन वारदातों से अभिभावक भी अपने बच्चों को असुरक्षित समझ रहे हैं। रैगिंग का साधारण सा अर्थ एक-दूसरे का परिचय जानना होता था, मगर अब इसका स्वरूप बदलता जा रहा है। रैगिंग अब यातना बन गई है। छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, मारपीट की जाती है। आज तक पता नहीं कितने छात्र-छात्राएं रैगिंग के कारण असमय मौत के मुंह में जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश के इटावा में घटित इस घटना ने एक नई बहस को जन्म दिया है। देश के शिक्षण संस्थानों में प्रतिबन्ध के बाद भी यह मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बीते हादसों से न तो प्रशासन ने सबक सीखा और न ही छात्रों ने सीख ली। यदि कड़े कदम उठाए होते तो आज यह हादसा न होता। यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है। रैगिंग की यह बीमारी विश्वविद्यालयों व कालेजों के बाद अब स्कूलों में भी अपने पांव पसार चुकी है। यदि इस पर समय रहते रोक न लगाई तो आने वाले समय में घातक परिणाम भुगतने पडेंगे। देश में समय-समय पर ऐसे दुखद हादसे होते रहते हैं, मगर यह रुकने के बजाय निर्बाध रूप से बढ़ते ही जा रहे हैं। समाचार पत्रों की खबरों के अनुसार मई में मुम्बई के ठाणे में रैगिंग से तंग आकर एक छात्र ने ट्रेन के आगे कटकर आत्महत्या कर ली थी। दिल्ली के स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटैक्चर का एक होनहार छात्र रैगिंग के चलते अपाहिज हो गया। आरोप है कि प्रथम वर्ष के छात्र नवीन कुजुर को उसके सीनियर ने ऐसी यातनाएं दी कि वह चलने फिरने के काबिल नहीं रहा। आन्ध्रप्रदेश में एक कालेज में सीनियर छात्राओं ने जूनियर छात्रा की रैगिंग ली, उनकी यातना से उस छात्रा ने अपनी आवाज खो दी थी। एक अन्य घटना में छात्र को क्लास में लडक़ी कहा जाता था। छात्रों की इस हरकत से तंग आकर उस छात्र ने खुद को आग लगा दी थी। मुम्बई में एक कालेज में सीनियर छात्राओं ने एक जूनियर छात्रा को मिर्ची खिलाई और उठक बैठक करवाई। कोलकाता में एक कालेज में सीनियर जूनियर को ड्रग्स लेने के लिए मजबूर करते हैं और पिटाई करते हैं। उत्तर प्रदेश में सरकार ने रैगिंग के खिलाफ अभियान छेड़ा है तथा रैगिंग करने वाले छात्रों को पांच साल तक दाखिला न देने को कड़ा फैसला लिया है। साल 2010 में एक साल में 164 केसों में 19 की मौत हो गई थी। देश में 2023 में भी यह मामले थमते नहीं आ रहे हैं। एक समय था कि कालेजो में रैगिंग का नाम तक नहीं था, मगर पिछले कुछ सालों से रैगिंग के आकड़ों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होती जा रही है। कालेज के कुछ बिगडैल किस्म के छात्र-छात्राएं कालेज का माहौल बिगाडने में मशगूल रहते हैं। ऐसे मुट्ठी भर लोग छात्रों को अनावश्यक रूप से तंग कर रहे हैं। ऐसे उद्दंड लोगों को कानून के मुताबिक सजा देनी चाहिए। रैगिंग भयानक होती जा रही है।

बीते सालों में हिमाचल के सुन्दरनगर के पालिटैक्निक कालेज में भी रैगिंग की वारदात प्रकाश में आई थी जिसमें सिरमौर का एक छात्र रैगिंग का शिकार हुआ था। हालांकि कालेज प्रशासन ने उन सीनियर लडक़ों को कालेज से निकाल दिया है, पर कालेज से निकालना इसका समाधान नहीं है। केन्द्र सरकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को इन मामलों पर संज्ञान लेना चाहिए, क्योंकि यदि समय रहते कारगर कदम नहीं उठाए तो हालात बेकाबू हो जाएंगे, छात्र-छात्राएं रैगिंग के डर से प्रवेश नहीं लेंगे। कालेजों में अराजकता पैदा करने वाले तत्वों पर कार्रवाई करनी चाहिए। इनके कारण कई प्रतिभाएं खत्म हो रही हैं। ऐसे लोगों को सजा दी जाए तथा जुर्माना लगाया जाए। ऐसी भी रैगिंग होती है कि छात्र पढ़ाई तक छोड़ देते हैं। आज तक हजारों छात्र इस बीमारी का शिकार हो चुके हैं। फिर भी यह प्रवृत्ति रुकने का नाम नहीं ले रही है। जनमानस को एकजुट होकर इसका खात्मा करना होगा ताकि छात्र-छात्राएं निर्भीक होकर अपनी पढ़ाई कर सकै। रैगिंग के बढ़ते जाल को काटना होगा ताकि भविष्य में इन घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और शिक्षण संस्थानों में माहौल खराब न हो। इस बुराई के विरुद्ध एक आंदोलन करना होगा और प्रतिभावान छात्रों को बचाना होगा। रैगिंग का समूल नाश करना चाहिए।

नरेंद्र भारती

चिंतन विचार

शव संवाद-9

बुद्धिजीवी यूं तो जिंदगी भर किसी तरह के झगड़े, पंगे और लड़ाई में नहीं पड़ा, लेकिन उसकी आंखों में आकर इक्का-दुक्का सपने आपस में उलझते रहे। यही वजह रही कि धीरे-धीरे बुद्धिजीवियों ने सपने छोड़े ताकि आंखें वास्तविकता को ही ठीक से देख लें। आम आदमी सपनों में देश को देखते-देखते, हकीकत में देखना ही भूल गया। वैसे जिन्होंने केवल देश की वास्तविकता को देखना शुरू किया, वे सपने देखना भूल गए। आजकल बुद्धिजीवी इसलिए परेशान है कि अब ऐसा समय आ गया है कि सही सोचना भी सपना लगता है। उस दिन बुद्धिजीवी सारा दिन खुश रहा, लेकिन बाद में उसे यकीन हो गया कि वह सपनों में दिन गुजारने लगा है। हद तो यह कि उसकी आंख में कभी 'इंडिया' के सपने आते हैं, तो कभी 'भारत' से आ जाते हैं। दोनों ही स्थितियों में देश के सपने बुद्धिजीवी को परेशान करते हैं। वह चाहने लगा है कि देश में अमन और शांति के लिए उसके ये सपने मर जाएं। यह इसलिए भी कि सपने अब भूत बनकर आते हैं और डरा कर चले जाते हैं। उसे याद नहीं कि उसने पहला सपना पापा की खाली थाली में देखा या मां के चूल्हे को ठंडा होते देखा था। उसने देखे बड़े भैया के सपने, लेकिन बदले में उसे भाई के पुराने कपड़े पहनने पड़े। उसने बहन के सपनों को बड़ा होते देखा था। शादी में बहन खुद सपना बनकर ससुराल गई थी, लेकिन अब वह सपने नहीं देखती। उसकी डिग्रियों ने इतने सपने देख लिए कि अब फाइल में सो गईं कि उठाने पर भी उठती नहीं। भारत में यूं तो शिक्षा गली-मोहल्ले को सपने दिखा गई, लेकिन पढ़े-लिखों की डिग्रियां अब सपने देखती नहीं। बुद्धिजीवी को अब लगने लगा है कि उस जैसे पढ़े-लिखे, ईमानदार, देश के प्रति सरोकार रखने वाले को सपने देखने ही नहीं चाहिए। जिस देश में 81 करोड़ लोग मुफ्त का राशन खा रहे हों, उन्हें सपने देखने की क्या जरूरत।

बुद्धिजीवी को अब तो विश्वास हो गया है कि वह जब तक सपने नहीं देखेगा, तब तक ही बुद्धि का इस्तेमाल कर पाएगा, फिर भी जाने-अनजाने या चाहे-न चाहे उसकी आंखों में कोई देश का सुरमा लगा गया। उसको सुरमा लगाने वाले ने देश

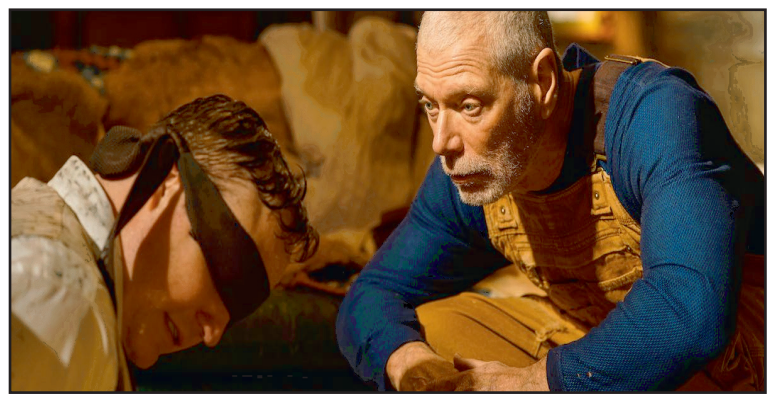

की खातिर यह करने को कहा था। हर भारतीय सुरमा लगाएगा तो उद्योग-धंधा बढ़ेगा और इस बहाने जीएसटी भी तो बढ़ेगी, लेकिन यह सुरमा उसकी आंखों में षड्यंत्र कर गया। सुरमे की वजह से हर दिन 'इंडिया' और 'भारत' उसकी आंखों में आकर सपना-सपना खेल रहे हैं। बुद्धिजीवी इंडिया और भारत के सपनों के बीच सो नहीं पा रहा था। भावुक बुद्धिजीवी ने अब तक फैसला कर लिया कि वह सपनों में शव नहीं, सपनों के शव को ढूंढ कर सदा-सदा के लिए शमशानघाट पहुंचा देगा, ताकि फिर ये लौटकर परेशान न करे। उसे हर दिन कई मरे हुए सपने, युगों-युगों के गले-सड़े सपने तथा आम आदमी की जिंदगी से टूट चुके सपने मिलने लगे। तभी एक दिन उसे मरे हुए 'बराबरी के सपने' का शव मिल गया।

यह सपना मानव इतिहास में पैदा होकर आज तक सभी को समानता का सपना दिखा रहा था। यह काफी जीया और दुआएं भी इसे मिलीं, लेकिन वे सारे सपने जीत गए जिन्होंने जनता को बहकाया, लड़ाया, नफरत के बीज बोए और अमीर-गरीब तथा ऊंच-नीच की जातियों में अपने सिक्के जमाए। खैर बुद्धिजीवी 'बराबरी के सपने' की लाश को कुशल शमशानघाट पहुंचाने के लिए गरीब बस्तियों से गुजर रहा था, लेकिन वहां जनता के सामने 'भारत' और 'इंडिया' के सपनों का मुकाबला चल रहा था। फटेहाल लोगों के बीच 'भारत' का सपना, 'इंडिया' को खदेडक़र अपना दांव खेल रहा था कि दोनों ने एक साथ बुद्धिजीवी से 'बराबरी का सपना' छीन लिया। बुद्धिजीवी को भारत व इंडिया के सपनों ने मिलकर इतना घायल कर दिया कि वह 'बराबरी के सपने' की लाश को शमशानघाट नहीं पहुंचा पाया। भारत और इंडिया के सपनों ने अपने-अपने अस्तित्व के लिए अब 'बराबरी के सपने' को दिखाकर पुनः फटेहाल लोगों को जीने के लिए यही मरा हुआ 'सपना' सौंप दिया।

निर्मल असो

अलीबाबा के पूर्व सीईओ डेनियल झांग ने क्लाउड यूनिट अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा, जोसफ टीसाई को मिली जिम्मेदारी

परिवहन विशेष न्यूज

समाचार एजेंसी एपी के मुताबिक झांग ने उसी दिन पद छोड़ दिया जिस दिन उन्होंने अलीबाबा के सीईओ और अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका से इस्तीफा दिया था। हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज को एक फाइलिंग में अलीबाबा ने कहा कि उसके नए सीईओ एडी वू इसकी क्लाउड यूनिट का भी नेतृत्व करेंगे। अलीबाबा खुद को छह व्यावसायिक यूनिट में पुनर्गठित कर रहा है।

नई दिल्ली। Alibaba के पूर्व सीईओ, Daniel Zhang ने सोमवार को एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए अपनी क्लाउड कंप्यूटिंग यूनिट के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके पीछे की वजह है कि चीनी ई-कॉमर्स कंपनी ने अपने नेतृत्व में फेरबदल किया है। अलीबाबा ने कहा कि वह भविष्य के विकास के लिए कंपनी की रणनीतियों का समर्थन करने के लिए झांग द्वारा स्थापित प्रौद्योगिकी फंड में 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

Joseph Tsai बने Alibaba के नए अध्यक्ष

समाचार एजेंसी एपी के मुताबिक झांग ने उसी दिन पद छोड़ दिया जिस दिन उन्होंने अलीबाबा के सीईओ और अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका से इस्तीफा दिया था। हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज को एक फाइलिंग में अलीबाबा ने कहा कि उसके नए सीईओ एडी वू इसकी क्लाउड यूनिट का भी नेतृत्व करेंगे। वू और अलीबाबा के नए अध्यक्ष जोसेफ त्साई ने सोमवार तक अपनी नई भूमिकाएँ ग्रहण कर लीं हैं। इसको लेकर अलीबाबा ने कहा कि उन्होने ₹अपना नेतृत्व परिवर्तन पूरा कर लिया है।

Daniel Zhang भी जारी रखेंगे सेवाएं

अलीबाबा ने पिछले 16 वर्षों में कंपनी में उनके योगदान के लिए झांग के प्रति अपनी गहरी सराहना व्यक्त की है। घोषणा के बाद सोमवार को अलीबाबा के हांगकांग स्टॉक मूल्य में 3.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। रविवार को लिखे गए और समाचार एजेंसी एपी द्वारा देखे गए एक आंतरिक पत्र में त्साई ने लिखा कि झांग ने क्लाउड व्यवसाय के प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका से दूर जाने की इच्छा व्यक्त की थी और अलीबाबा बोर्ड ने डैनियल के फैसले का सम्मान किया और स्वीकार किया। त्साई ने लिखा, ₹डैनियल अपनी विशेषज्ञता को अलग तरीके से प्रसारित करके अलीबाबा में योगदान देना जारी रखेंगे।₹

क्या है कंपनी का प्लान?

अलीबाबा खुद को छह व्यावसायिक यूनिट में पुनर्गठित कर रहा है, जिसका उद्देश्य अंततः उनमें से अधिकांश को बंद करना और उन्हें शेयरधारक रिटर्न को अधिकतम करने के लिए सूचीबद्ध करना है। मई में, कंपनी ने कहा कि उसका लक्ष्य अगले 12 महीनों के भीतर अपनी क्लाउड यूनिट को सूचीबद्ध करना है। इसने सोमवार को उस योजना की फिर से पुष्टि की है। झांग 2007 में अलीबाबा में शामिल हुए और कंपनी के वार्षिक सिंगल्स डे ऑनलाइन शॉपिंग उत्सव के आयोजन के लिए जाने जाते हैं। 2015 में उन्होंने सह-संस्थापक जैक मा से अलीबाबा के सीईओ का पद संभाला था और2019 में वह मा के बाद चेयरमैन बने थे।

लूलू ग्रुप भारत में करेगा विस्तार, चेन्नई और अहमदाबाद में खोलेगा शॉपिंग मॉल

Lulu Group के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक यूसुफ अली ने कहा कि हम अहमदाबाद और चेन्नई में सबसे बड़े शॉपिंग मॉल में से एक का निर्माण करने जा रहे हैं और हम इस महीने के अंत में हैदराबाद में अपना शॉपिंग मॉल खोल रहे हैं। लुलु ग्रुप यूएई की कंपनी है और 42 देशों में हाइपर मार्केट और सुपरमार्केट ऑपरेट करती है।

नई दिल्ली। लुलु ग्रुप इंटरनेशनल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (MD) यूसुफ अली ने सोमवार को कहा कि उनकी कंपनी दो बड़े शॉपिंग मॉल स्थापित करने जा रही है। ये मॉल गुजरात की राजधानी अहमदाबाद और तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में होंगे।

समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अली ने कहा कि हम अहमदाबाद और चेन्नई में सबसे बड़े शॉपिंग मॉल में से एक का निर्माण करने जा रहे हैं और हम इस महीने के अंत में हैदराबाद में अपना शॉपिंग मॉल खोल रहे हैं। इसके अलावा हम शॉपिंग मॉल और फूड प्रोसोसिंग के लिए विभिन्न राज्यों में जा रहे हैं।

हैदराबाद में खुलेगा छठा मॉल

कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, बेंगलुरु, लखनऊ और कोयंबटूर के बाद हैदराबाद छठा शहर होगा। जहां लुलु ग्रुप मॉल खोलने जा रहा है।

सरकार ने कई बाधाएं हटाई

भारत और सऊदी अरब की कंपनियों के बीच आईटी, एग्रीकल्चर, फार्मा, पेट्रोकेमिकल और अन्य क्षेत्रों में हुए समझौतों के साइडलाइन में उन्होंने कहा कि सऊदी अरब और भारत के रिश्ते एक नई ऊचाई पर पहुंच गए हैं।

पीएम और सरकार की ओर से कई प्रतिबंधों को हटाया गया है। काफी उदारीकरण और व्यापार करने में आसानी हुई है। हम उनका धन्यवाद करते हैं।

लुलु ग्रुप का कारोबार

लुलु ग्रुप का मुख्यालय अबुधाबी, यूएई में स्थित है। लुलु ग्रुप को मध्य पूर्व और उत्तर अफ्रीका रीजन में एक ट्रेंडसेटर कंपनी माना जाता है। कंपनी जीसीसी देशों के साथ मिस्र, भारत, इंडोनेशिया और मलेशिया में 250 से ज्यादा हाइपर मार्केट और सुपरमार्केट ऑपरेट करता है। लुलु ग्रुप में करीब 65000 कर्मचारी 42 अलग-अलग देशों में काम करते हैं। कंपनी का वर्षिक टर्नओवर 8 अरब डॉलर का है।

NSC vs FD: 5 साल के लिए करना है निवेश, इन तीन बातों के साथ समझें अपने फायदे की बात, जानें कौन-सा विकल्प बेहतर

NSC vs FD 5 साल यानी लंबी अवधि के निवेश की योजना बना रहे हैं और समझ नहीं पा रहे हैं कि फिक्स्ड डिपॉजिट और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में कौन-सा ऑप्शन ज्यादा बेहतर है। इन दोनों ऑप्शन के बीच एक अंतर को समझ लें तो फैसला लेने में आसानी हो सकती है। फिक्स्ड डिपॉजिट और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट को लेकर ब्याज और इनकम टैक्स के नियमों की जानकारी जरूरी है।

नई दिल्ली। 5 साल यानी लंबी अवधि के निवेश की योजना बना रहे हैं और समझ नहीं पा रहे हैं कि फिक्स्ड डिपॉजिट और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में कौन-सा ऑप्शन ज्यादा बेहतर है। इन दोनों ही ऑप्शन के बीच एक अंतर को समझ लें तो फैसला लेने में आसानी हो सकती है।

फिक्स्ड डिपॉजिट और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट को लेकर ब्याज और इनकम टैक्स के नियमों की जानकारी मायने रखती है। निवेश के दोनों विक्लपों के अंतर को समझाने के लिए यहां ब्याज दर, निवेश की राशि और इनकम टैक्स से जुड़े नियमों की जानकारी दे रहे हैं।

NSC vs FD: ब्याज दर

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में अभी 7.7% की दर से कंपाउंडिंग ब्याज दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एसबीआई, पोस्ट ऑफिस और आईसीआईसीआई जैसे बैंक 5 साल के फिक्स्ड डिपॉजिट पर 6.5% से 7.5% तक सालाना ब्याज दिया जा रहा है।

NSC Vs FD: निवेश राशि

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में निवेश की कोई सीमा नहीं है। स्कीम के साथ 100, 500, 1000, 5000, 10,000 और इससे ज्यादा के सर्टिफिकेट मिलते हैं। देश के लगभग सभी प्रमुख बैंकों और पोस्ट ऑफिस में 1000 रुपये से एफडी शुरू की जा सकती है।

NSC Vs FD: इनकम टैक्स के नियम

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट और फिक्स्ड डिपॉजिट में इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत छूट 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर ली जा सकती है। निवेश के दोनों विकल्पों में अंतर को समझने की कोशिश करें तो पाते हैं कि नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट पर टीडीएस नहीं काटा जाता है।

वहीं दूसरी ओर फिक्स्ड डिपॉजिट में अगर सालाना ब्याज की राशि 40 हजार रुपये से ज्यादा बनती है तो 10 प्रतिशत टीडीएस कटना शुरू हो जाता है। हालांकि, सीनियर सिटीजंस के केस में यह सीमा 40 हजार की जगह 50 हजार हो जाती है।

Sovereign Gold Bond में इन चार वजहों से कर सकते हैं निवेश, पोर्टफोलियो में सोना जोड़ने का हो सकता है सही समय

परिवहन विशेष न्यूज

Sovereign Gold Bond बीते बुधवार को केंद्रीय बैंक आरबीआई ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कीमत 5923 प्रति ग्राम तय की है। ऑनलाइन निवेश करने वालों के लिए केंद्रीय बैंक ने 50 रुपये प्रति ग्राम की डिस्काउंट का भी एलान किया है। निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो में सोना जोड़ने का यह सही समय हो सकता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सोने में निवेश का बेहतर तरीका बनता है।

नई दिल्ली। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की दूसरी सीरीज आज खुल चुकी है। सोने में निवेश करने का यह अच्छा मौका हो सकता है। यह सीरीज सब्सक्राइबर्स के लिए लिए 15 सितंबर तक खुली हुई है। यानी कि निवेशक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम में निवेश किया जा सकता है।

बीते बुधवार को केंद्रीय बैंक आरबीआई ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कीमत 5,923 प्रति ग्राम तय की है। ऑनलाइन निवेश करने वालों के लिए केंद्रीय बैंक ने 50 रुपये प्रति ग्राम की डिस्काउंट का भी एलान किया है।

ज्यादा ब्याज दर

जानकारों की मानें तो यूएस सेंट्रल बैंक को लेकर माना जा रहा है कि यह अपने रेट हाईक साइकल को खत्म करने के स्टेज में है।थ ऐसे में यह सोने में निवेश के लिए एक अच्छी खबर हो सकती है, क्योंकि सोने की कीमत पर ज्यादा ब्याज की दर मिल सकेगी।

सोना एक सुरक्षित विकल्प

दुनिया भर के सेंट्रल बैंक सोने को भारी मात्रा में जमा कर रहे हैं। बढ़ती आर्थिक अनिश्चितताओं और डी-डॉलरीकरण के बढ़ते दबाव के बीच ऐसा करना एक सही फैसला हो सकता है। सोने को एक सुरक्षित एसेट माना जा सकता है।

सोना हर स्थिति में एक आकर्षण

सुरक्षित निवेश के रूप में सोने को एक बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। कमजोर वैश्विक अर्थव्यवस्था की चिंता के बीच भी सोना सुरक्षित निवेश के विकल्पों में एक आकर्षण रहने की उम्मीद की जा रही है। इतना ही नहीं, मुद्रास्फीति और आर्थिक अस्थिरता के खिलाफ सोना एक बचाव के रूप में देखा जा रहा है।

सोने में निवेश का बेहतर तरीका

निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो में सोना जोड़ने का यह सही समय हो सकता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सोने में निवेश का बेहतर तरीका बनता है। सोने की कीमतों की बात करें तो यह 61,845 प्रति 10 ग्राम उच्चतम स्तर से नीचे आ चुकी हैं।

सोने की कीमत में आई नरमी, चांदी में आया उछाल; जानिए क्या है गोल्ड-सिल्वर के लेटेस्ट रेट्स

स्पॉट पर सोने की कीमत में गिरावट आई है और 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 59840 रुपये है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में तेजी देखी जा रही है। सोना 0.46 प्रतिशत बढ़कर 1951.60 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.21 प्रतिशत बढ़कर 23.46 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है।

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमत में सोमवार को उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। सोने की कीमत में हल्की गिरावट हुई है, जबकि चांदी में तेजी देखने को मिली है। 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 59,840 रुपये है। चांदी का भाव 500 रुपये की बढ़त के साथ 74,000 रुपये प्रति किलो है।

दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में सोने का भाव

दिल्ली: 24 कैरेट 59,990 रुपये; 22 कैरेट 54,990 रुपये
मुंबई: 24 कैरेट 59,830 रुपये; 22 कैरेट 54,840 रुपये
चेन्नई: 24 कैरेट 60,160 रुपये; 22 कैरेट 55,150 रुपये
कोलकाता: 24 कैरेट 59,830 रुपये; 22 कैरेट 54,840 रुपये

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के दाम

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में तेजी देखी जा रही है। सोना 0.46 प्रतिशत बढ़कर 1951.60 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.21 प्रतिशत बढ़कर 23.46 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है। सोने और चांदी काफी समय से एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरों पर कोई स्पष्टीकरण आने के बाद ही इनकी दिशा तय हो सकती है।

वायदा बाजार में सोने-चांदी की कीमत

वायदा बाजार में सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखी जा रही है। 24 कैरेट का सोना 135 रुपये रुपये बढ़कर 59,033 रुपये रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। आज एमसीएक्स पर सोने के कॉन्ट्रैक्ट का टर्नओवर 11,668 लॉट्स का रहा है। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत में 537 रुपये प्रति किलो की तेजी हुई है। चांदी का भाव 72,090 रुपये प्रति किलो पर है। चांदी में आज 16,949 लॉट्स में कारोबार हुआ है।

रिटायरमेंट प्लानिंग करते समय इन बातों का रखें ध्यान, 60 के बाद नहीं होगी पैसे की टेंशन

Retirement Planning करना काफी पेचीदा काम है। अगर आप सही विकल्पों का उपयोग करते हैं तो रिटायरमेंट के लिए आसानी से एक बड़ा फंड एकत्रित किया जा सकता है लेकिन इसके लिए जल्दी प्लानिंग शुरू करनी चाहिए। इसके लिए पहली कमाई शुरू होने के साथ ही बचत करना सबसे अच्छा तरीका है। साथ ही एक लक्ष्य तय करना बेहद जरूरी है।

नई दिल्ली। रिटायरमेंट के लिए पैसा बचाना बेहद आवश्यक है। कई लोग केवल इस कारण रिटायरमेंट के लिए फंड नहीं जमा कर पाते हैं कि उन्हें पता ही नहीं होता है कि रिटायरमेंट के लिए फंड कैसे एकत्रित किया जाए। अगर आप भी रिटायरमेंट प्लानिंग करने जा रहे हैं तो हमेशा कुछ बातों को ध्यान रखना चाहिए।

जल्दी शुरुआत करें

कई बार लोग सोचते हैं कि एक निश्चित राशि से ही बचत या रिटायरमेंट प्लानिंग की शुरुआत की जा सकती है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि पहली कमाई शुरू होने के साथ ही बचत करना सबसे अच्छा तरीका है।

लक्ष्य तय करें

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए लक्ष्य तय करना बेहद जरूरी है। जिस समय आप रिटायर होना चाहते हैं। उस समय के संभावित खर्चों को कैलकुलेट करना चाहिए, जिससे कि आपको बाद में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

निश्चित निवेश करें

किसी भी निवेश में अनुशासन के साथ इन्वेस्टमेंट करना बेहद जरूरी होता है। इस कारण अपनी आय का एक निश्चित प्रतिशत जरूर रिटायरमेंट फंड के लिए रखना चाहिए। उदाहरण के लिए अगर आपकी आय 20,000 रुपये है तो दो हजार रुपये रिटारयमेंट फंड में जमा करने चाहिए।

सरकारी निवेश स्कीम को शामिल करें

सरकार की ओर से रिटायरमेंट को ध्यान में रखते हुए नेशनल पेंशन प्लान (NPS) और पीपीएफ (PPF) जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनको भी आपको अपने रिटायरमेंट प्लान में शामिल करना चाहिए। इसका फायदा यह है कि ये स्कीम्स आपको एक निश्चित रिटर्न जरूर देती है और इनमें पैसा डूबने का खतरा न के बराबर होने की वजह से आपका रिटायरमेंट सिक्योर रहता है।

रिटायरमेंट फंड को रिव्यू करें

हमेशा आपको अपने रिटायरमेंट फंड का रिव्यू करते रहना चाहिए। इसका फायदा यह होता है कि आप ऐसे निवेश को बाहर कर सकते हैं तो कि अंडरपरफॉर्म कर रहा हो।

फंड को बढ़ाए

समय के साथ-साथ आय में बढ़ोतरी में होती है। इस कारण आप अपने रिटायरमेंट फंड को समय के साथ-साथ बढ़ाते रहना चाहिए।

Rishabh Instruments का शेयर 4 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुआ लिस्ट, शुरुआत कारोबार के बाद गिरा स्टॉक

Rishabh Instruments का शेयर 441 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 4 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। बीएसई पर 4 .30 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 460 रुपये पर लिस्ट हुआ। ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड के आईपीओ को बाजार से ठीक-ठाक रिस्पॉन्स मिला था। ये 31 .65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में 75 करोड़ रुपये का फ्रैश इश्यू शामिल था।

नई दिल्ली। किफायती एनर्जी सॉल्यूशन उपलब्ध कराने वाली कंपनी ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड के शेयर सोमवार को 441 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 4 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। बीएसई पर 4.30 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 460 रुपये पर लिस्ट हुआ, जबकि एनएसई पर शेयर 4.31 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 460.05 रुपये पर लिस्ट हुआ। इस दौरान कंपनी का मार्केट वैल्यूएशन 1721.55 करोड़ रुपये रहा। खबर लिखे जाने तक, शेयर में गिरावट आ गई और शेयर एनएसई पर 2.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 454.15 रुपये पर और बीएसई पर शेयर 2.95 प्रतिशत की बढ़त क साथ 454 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा आज रत्नवीर इंजीनियरिंग के आईपीओ की भी लिस्टिंग हुई है। यह अपने इश्यू प्राइस 98 रुपये के मुकाबले 31 प्रतिशत से प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ है। ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड के आईपीओ को बाजार से ठीक-ठाक रिस्पॉन्स मिला था। ये 31.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ की संस्थागत निवेशकों की ओर से काफी मांग देखी गई थी। इसका प्राइस बैंड 418 रुपये से लेकर 441 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

परिवर्तन यात्रा की तैयारी को लेकर भीलवाड़ा विधानसभा की बैठक सम्पन्न

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भाजपा प्रदेश नेतृत्व द्वारा निकाली जा रही परिवर्तन संकल्प यात्रा की तैयारी को लेकर आज भीलवाडा विधानसभा के कार्यकर्ताओं की बैठक विधायक विठल शकर अवस्थी के निवास पर आयोजित की गईं।विधानसभा प्रवक्ता पुनीत प्रताप सिंह तंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशान्त मेवाड़ा विधायक अवस्थी, सभापति राकेश पाठक व यात्रा प्रभारी पूर्व जिला अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डाड ने कार्यकर्ताओं की बैठक ली व जिम्मेदारी सोपी।भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशान्त मेवाड़ा ने यात्रा की पूर्ण जानकारी देते हुए कहा यात्रा को लेकर जो भी किसी भी तरह का सुझाव आप का हो आमंत्रित है किस तरह हम यात्रा को भव्य बना सके

विधायक विठल शकर अवस्थी ने कहा जिस को जो जिम्मेदारी सोपी है उसे पूर्ण करे व यात्रा को सफल बनाने में आप सभी की सहभागिता महत्वपूर्ण रहेगी।लक्ष्मीनारायण डाड ने बताया कि यात्रा 13 सितम्बर को शाम 6 बजे भीलवाड़ा विधानसभा में प्रवेश करेगी तय विभिन्न मार्गों से होती हुई शाम 7 बजे रेलवे स्टेशन चौराहे पर पहुचेगी व जन सभा का आयोजन किया जायेगा जिस में कई नेता शामिल होंगे।14 सितम्बर को प्रातः 8:30 पर प्रेस वार्ता रहेगी तत्पश्चात यात्रा आगे के लिये रवाना होगी।राकेश पाठक ने कहा सभी कार्यकता आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में आज ओर अभी से लग जाये प्रतिदिन सुबह 15 से 20 मिनट सुबह व शाम अपने अपने वार्ड मोहल्ले में दे व केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारि योजनाओं को जन जन तक पहुँचकर लाभ दिलावे।

बैठक में विधानसभा सयोंजक अनिल जैन,छैलबिहारी जोशी,राजकुमार आंचलिया ललित अग्रवाल मंडल अध्यक्ष अनिल जादोन,मनीष पालीवाल, पीयूष डाड, घनश्याम सिघिवाल,नन्दकिशोर राजपुरोहित,पार्षद मुकेश शर्मा, जगदीश गुजर,हरीश सालवी शंकर जाट अन्य कार्यकता मौजूद रहे।

स्कूल में बने सामुदायिक शौचालय की जांच कर कार्यवाही की मांग दोषियो के खिलाफ हो कार्यवाही

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत मंगरोप के सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में बंद चारदिवारी के अन्दर सामुदायिक शौचालय का महिला पेशाबघर के उपर ही निर्माण कर भ्रष्टाचार एवं अनियमितताएँ की गई तथा सामुदायिक शौचालय के वास्तविक उपयोग से ग्रामवासियो को वंचित किया गया । इसे लेकर सामाजिक संगठन जन जागृति संस्थान के प्रदेश संयोजक दयाराम दिव्य ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन से सख्त कार्यवाही कर राशि के दुरूपयोग कर स्कूल परिसर में सामुदायिक शौचालय की स्वीकृति देने वालो के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर राशि वसूल करने की मांग की है।

संस्थान ने जिला कलेक्टर को आग्रह किया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत सामुदायिक शौचालयो का ग्राम पंचायतो के अन्दर निर्माण किया जाना था वहीं वर्ष 2021-22 में उक्त राशि का दुरूपयोग मूत्रालयो के उपर ढॉचे बनाकर भ्रष्टाचार किया है, वहीं कस्बे एवं ग्राम पंचायत क्षैत्र में अन्य जगहो पर ऐसे शौचालयो की उच्चस्तरीय जॉच कर दोषियो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये मंगरोप कस्बे में वर्षो पुराने सामुदायिक शौचालय को खुर्दबुर्द करने एवं उसके बचाये रखने को लेकर कस्बेवासियो एवं जनप्रतिनिधियो द्वारा वास्तविक जगह सामुदायिक शौचालय के निर्माण की मांग की जा रही थी ।पूर्व में गोल पीपली स्थित महिला सामुदायिक शौचालय को खुर्द बुर्द करने से रोकने के लिए उक्त जगह पर सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया जाना प्रस्तावित था । सांसद सुभाषचन्द बहेडिया ने पूर्व में जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर सामुदायिक शौचालय के निर्माण को लेकर कार्यवाही का आग्रह किया था ।संस्थान ने दोषियो के खिलाफ कार्यवाही कर स्कूल परिसर में पूर्व में बने रमसा/समसा एवं विभाग द्वारा बनाये गये शौचालय एवं अन्य भवन निर्माण की भी भौतिक सत्यापन करा उच्च स्तरीय जॉच की मांग की है।संस्थान के प्रदेश संयोजक दयाराम दिव्य ने राज्य सरकार एवं लोकायुक्त से भी इस तरह के घपले के खिलाफ प्रसंज्ञान को लेकर ज्ञापन भेजा ।

सौम्य बाबू बहादुर आदमी - सांसद अपराजिता सरंगी

मनोरंजन सासमल , ऑडोशा

भुवनेश्वर: भुवनेश्वर की सांसद अपराजिता षाड़ंगी ने आज बिजेड़ी दल की राजनीति पर निशाना साधा है बीजेजे के गवर्नेंस मॉडल के बारे में उन्होंने कहा कि बड़े संवैधानिक पदों पर रहने के बावजूद बीजेजे के विधायकों और सांसदों में आत्मसम्मान नहीं है. वहीं, सांसद अपराजिता षाड़ंगी ने खेदपाड़ा विधायक के बारे में कहा कि बीजेडी बहुत ही दयनीय स्थिति में है, अगर बीजेडी ने उनकी बात सुनी होती और उनका अनुसरण किया होता, तो लोग ओडिशा में चल रहे शासन मॉडल पर हंस नहीं रहे होते. सौम्या स्वाभिमान से

काम करते हुए रंजन बाबू की हत्या कर रही है यह आश्चर्य की बात है कि माननीय मुख्यमंत्री ने 23 वर्षों तक किसी पर भरोसा नहीं किया एक निम्न स्तर का सिविल सेवक भरोसा करेगा, वे सभी अनुभवी क्यों हैं, उन सभी ने काम किया है हर कोई सम्मान का पात्र है मैं बीजेएम विधायकों, सांसदों और मंत्रियों से अपील करूंगा कि वे थोड़ा स्वाभिमान रखें और जो भी सही है उसके साथ खड़े हों सौम्यार्जन पटनायक एक अनुभवी व्यक्ति हैं भाजमो विधायकों के बीच खींचतान है, ये उनकी पार्टी की बात है एक नागरिक के तौर पर सौम्य बाबू जैसा व्यक्ति बहादुरी से सच्चाई सामने ला रहा है तो भाजमो विधायकों को इसे स्वीकार करना चाहिए, ऐसा उनके लिए कहा गया है. कैसी टीम का कोई स्वाभिमान नहीं यदि सांसद, विधायक या भाजमो कार्यकर्ता हैं तो उनका आदर और सम्मान करें, उनके प्रति कोई कटुता न रखें बल्कि अपनी आंखों के सामने स्वाभिमान और सम्मान के साथ काम करें। सौम्य बाबू में साहस है वह सबके सामने बोल रहे हैं ।'सौम्य बाबू बहादूर आदमी है ।

मुख्यमंत्री की फोटो वाली टी-शर्ट पहन के चर्चा में मयूर भंज जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री की फोटो वाली टी-शर्ट पहनना अब सुर्खियों में है. कल बारीपदा में एडिरन मैराथन का आयोजन किया गया। इवेंट में दोनों ने टी-शर्ट पहनी थी. इन दोनों की टी-शर्ट पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की फोटो थी. राज्य सरकार के दो एआई अफसरों की टी-शर्ट की खूब चर्चा हो रही है.

बीजेपी सांसद अपराजिता सदांगी ने इसकी कड़ी आलोचना की है. अपराजिता ने एसपी विनीत भारद्वाज के ऐसी टी-शर्ट पहनने की घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और हास्यास्पद बताया।

सांसद ने ट्वीट किया, 'एक प्रशासनिक अधिकारी एआई स्तर तक जा सकता है ! ख़ैर, ये दिन हमेशा नहीं रहेंगे। अधिकारी को याद रखना चाहिए कि हर दिन मौसम एक जैसा नहीं रहेगा. और उन्होंने पूछा कि मौसम बदलने पर क्या करना चाहिए.

यहां बता दें कि मयूरभंज जिले के मेयर भिनित भारद्वाज पर कई आरोप हैं. 2012 कैडर के आईपीएस विनीत साढ़े 5 साल से नहीं बदले हैं। इतने वर्षों तक रुकना अखिल भारतीय सेवा नियमावली का खुला उल्लंघन है. उनके प्रतिस्थापन की मांग को लेकर पहले सेना और विभिन्न संगठनों ने विरोध किया था।

उधर, बीजेपी सांसद पर महाभियोग चलने से पहले प्रशासनिक अधिकारियों ने पार्टी गतिविधियों से जुड़ी इस घटना की आलोचना की. इससे पहले उन्होंने ऐसे कई वीडियो शेयर किए थे और प्रशासनिक अधिकारियों के सरकारी कार्यक्रमों में शामिल होने की बात कही थी.

इससे पहले, समंदा ने बीजू युवा जनता दल की बैठक को संबोधित करते हुए एक सरकारी अधिकारी का एक वीडियो भी साझा किया था। एक अन्य वीडियो भी सांसद अपराजिता ने साझा किया था जिसमें स्वयं सहायता समूह के कार्यकर्ता बीजेएम विधायक की बात मानने की शपथ लेते नजर आ रहे थे.

इससे पहले पिछले महीने सांसद अपराजिता ने पांच सचिवों के हेलीकॉप्टर दौरे की आलोचना की थी. उन्होंने कहा, 5 सचिव 30 से 40 किमी की यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग कर रहे थे।

नि:शुल्क नेत्र रोग जांच शिविर में सैकड़ों नागरिकों ने करायी नेत्र जांच

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के तत्वाधान में तारा नेत्र चिकित्सालय ने दिनाँक 10 सितंबर, दिन रविवार को शिव मंदिर तिरखा कॉलोनी बल्लभगढ़ में आयोजित निःशुल्क नेत्र रोग निदान एवं मोतियाबिंद जाँच एवं उपचार हेतु सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित होकर अपनी नेत्र जांच कराए।

अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के राष्टीय अध्यक्ष डॉ एम पी सिंह ने बताया कि आज शिव मंदिर तिरखा कॉलोनी बल्लभगढ़ में आयोजित निःशुल्क नेत्र रोग निदाशिव मंदिर तिरखा कॉलोनी बल्लभगढ़ में न एवं मोतियाबिंद जाँच एवं उपचार शिविर में 367 लोगों ने पंजीयन कर अपनी नेत्र की जांच करवाई, जिसमें कुछ लोगों की नेत्र जांच में कुछ कम परेशानी थी जिसका निराकरण तत्काल किया गया, कुछ लोगों की आंख कमजोर थी, किसी को पास किसी को दूर का कम दिखता था उसे डॉक्टरों की सलाह पर चश्मा का निःशुल्क वितरण किया गया, जिसमें लगभग 97 अधिक नागरिकों को चश्मा का वितरण किया गया, शिविर में तारा तारा नेत्र चिकित्सालय से नेत्र सीनियर डॉ. और उनकी टीम ने सभी नागरिकों की आँख की जांच

कर उपचार, एवं निदान किया गया।

अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने बताया कि नेत्र जांच का पूर्व निर्धारित समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक था, जिसमें प्रातः 9 बजे से ही नागरिकों का आना प्रारंभ हो, पंजीयन कार्य सुबह 9 बजे ही प्रारंभ कर दिया गया, जिसमें लंबी कातर लग गयी, जोकि देर तक चलता रहा 3 बजे शाम तक सभी लोगों की जांच पूरी न होने के कारण शाम 6 बजे तक जांच कार्य चलता रहा, कार्यक्रम में रजनी देवी, मालती देवी, सुदर्शन सिंह, लता सिंगला, श्री राम कथा वाचक बरखा कुमारी और अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट की पूरी टीम एवं सैकड़ो नागरिक और आयोजकों के सदस्य उपस्थित रहे।

सुनहरा भारत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राकेश कुमार जी ने कहा कि पंजाब में हमारी सरकार बनने पर अफीम/पोस्त-की खेती की जाएगी- चिट्टे का अंत होगा

लुधियाना। पंजाब में हम आम देख रहे हैं कि हर दूसरे-तीसरे दिन नौजवान युवा चिट्टे की बलि चढ़ रहे हैं। यह सब मौजूदा सरकार आम आदमी पार्टी की देख रेख में हो रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा हे जैसे इन युवाओं की मौत की खबर मान सरकार तक नहीं पहुंच रही I ये बातें सुनेहरा भारत पार्टी के सरपरस्त राकेश कुमार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहीं I उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार सिर्फ झूठे वादे और झूठे दिलासे देकर पंजाब की जनता को बर्बाद करने पर तुली हुई है I जनता ने बदलाव के बदले उन्हें वोट दिया था । इलेक्शन के दौरान उन्होंने कई झूठे दावे किए और पंजाब की जनता को झूठा दिलासा दिया I जिसमें से केजरीवाल ने पंजाब की जनता से यह कहकर वोट मांगा कि जब हमारी सरकार बनेगी तो हम तीन महीने के अंदर चिट्टे को जड़ से खत्म कर देंगे I लेकिन आज उनकी सरकार बने लगभग डेढ़ साल हो गए I लेकिन चिट्टे का नशा खत्म होने के बजाय दस से बीस गुना बढ़ गया हैं । क्या यही बदलाव था आम आदमी पार्टी का ? जनता ने भगवंत मान पर विश्वास कर वोट दिया था I यह चिट्टे का नशा पंजाब में छेवा दरिया बन कर पुरे पंजाब ने फ़ैल चूका हैं I लेकिन सरकार इस पर काबू पाने में असफल साबित हुई हैं I चिट्टे के कारोबारी पुलिस प्रशासन की पकड़ में नहीं आ रहे हैं, न तो सरकार कुछ कर रही है और न ही पुलिस प्रशासन I आम आदमी पार्टी के 92 विधायकों में से एक भी विधायक के पास इतना समय नहीं है कि वह चिट्टे के नशे की भेट चढ़े नौजवानो की मौत पर उनके पीड़ितों के घर जाकर उनके परिजनों के साथ शोक मना सके। दरअसल, चाहे कितने भी घर नष्ट हो जाएं, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। इसलिए चिट्टे को खत्म करने के लिए कदम उठाते हुए सुनहरा भारत पार्टी के संरक्षक राकेश कुमार जी ने घोषणा की कि जब हमारी सरकार बनेगी, तो हम अफीम/पोस्त की खेती का किसानो क सुनेहरा अवसर देंगे । इससे किसानी छोड़ चुके किसानों को पोस्त/अफीम की खेती करने का अवसर मिलेगा और किसानों के लिए पंजाब में फिर से हरि क्रांति आएगी और हम पंजाब को चिट्टा मुक्त पंजाब बनाएंगे और हम सब मिलकर सुनेहरा पंजाब बनाएंगे।

संत सानिध्य में सम्पन्न हुआ युवा ब्रह्म शक्ति मेवाड़ कार्यकारिणी का दायित्व ग्रहण समारोह

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। जय ब्रह्म शक्ति मेवाड़ संस्थान की भीलवाड़ा जिले की कार्यकारिणी का दायित्व ग्रहण समारोह गांधी नगर रोड़ स्थित निम्बार्क आश्रम के महंत मोहन शरण शास्त्री के सानिध्य व मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा के मुख्यातिथ्य में रविवार को कोटा रोड़ स्थित पारीक भवन में सानंद संपन्न हुआ।

ब्रम्ह माने परमात्मा और शक्ति माने जगदीश्वरी राधारानी दोनों ही जब ब्रम्हशक्ति के रूप में प्रस्फुटित हो आते हैं तो पूरे विश्व में ब्राह्मणों का राज और राज का काज सफल होना निश्चित हैं उपरोक्त कथन रविवार को युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ के दायित्व ग्रहण समारोह के दौरान महंत मोहन शरण शास्त्री ने अपने उद्धबोधन में कहें। महंत ने इसे विस्तारित करते हुए बताया कि ब्रह्मा और शक्ति दोनों का धरातल पर उदय होना समूचे विश्व में हर दृष्टिकोण से सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला होता हैं। महंत ने कहा कि इसका जीता जागता उदाहरण अभी हाल ही में पिछले महीने राजसमंद में हुए ब्रम्हशक्ति के महासम्मेलन में देखने को मिला जहां 11 हजार मातृशक्तियों को एक साथ कलश शौभायात्रा में देखने को मिला जिसको की एक ऐतिहासिक पल से कमत्तर नहीं आंका जा सकता। उन्होंने कहां की भीलवाड़ा में ब्राह्मण भी अलग अलग नहीं हैं वो सब एक हैं और एक होकर चले हैं तो आज विश्व में कोई आंख उठाकर नहीं देख सकता हैं।इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि के रूप में पधारे मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा ने मंच साझा करते हुए ब्रम्हशक्ति के समक्ष कहा कि ब्राह्मण तूफान ला सकता हैं तो तूफानों का रुख भी मौड़ सकता हैं। जिसका जीता जागता उदाहरण शर्मा ने राजसमंद में हुई कलश शौभायात्रा में शामिल 11 हजार महिला शक्ति को पहलीबार एक साथ देखने के सुअवसर को बताया। उन्होंने कहा की ब्राह्मण बड़ा शक्तिशाली हैं लेकिन हम अपनी शक्ति का सही और सकारात्मक तरीके से सदुपयोग नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन अब सर्वत्र ब्राह्मण समाज को एक होकर एकजुट एक मंच पर आगे आने की आज सबसे बड़ी आवश्यकता और जरूरत हैं। इसलिए एक जुट होकर ब्राम्हण हर क्षेत्र में सहयोग कर समाजोत्थान की बात करें । विशेषाधिकारी शर्मा ने कहा की हमारी पहली प्राथमिकता रही शिक्षा के साथ ही साथ संस्कार का होना भी बेहद जरूरी हैं तभी ये सम्भव हो पायेगा। क्यों कि जब हर ब्राम्हण संस्कार पर चलेगा तो देश दुनियां में हर व्यक्ति हर वर्ग का मस्तक ब्राह्मण के प्रति झुक जाएगा । इसका जीता जागता उदाहरण आज भी इतिहास में मिलता आया हैं। शर्मा ने कहा कि माँता पिता ही हमारी दुनियां हैं इसलिए जिसने माँता पिता की एक परिक्रमा लगा ली तो वो पूरी पृथ्वी की परिक्रमा हो जाती हैं।युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ संस्थान की महिला प्रदेशाध्यक्षा नीलम दिनेश शर्मा ने बताया कि रविवार को जय ब्रम्हशक्ति संस्थान मेवाड़ की भीलवाड़ा जिला की महिला व पुरुष कार्यकारिणी का गठन एंव दायित्व ग्रहण समारौह निम्बार्क आश्रम के महंत मोहन शरण शास्त्री के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के विशेषाधिकारी लोकेश कुमार शर्मा थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पुरोहित ने की।प्रदेशाध्यक्षा नीलम शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत महंत मोहन शरण शास्त्री व राष्ट्रीय अध्यक्ष पुरोहित के द्वारा भगवान परशुराम महाराज की प्रतिमा को पुष्पमाला पहना दीप प्रज्वलित कर परशुरामजी की आरती के साथ कि गई। इससे पूर्व महंत मोहन शरण शास्त्री को दुपहिया वाहनों की रैली के साथ खुली जीप वाले रथ में जय ब्रम्हशक्ति के भगवा पताको और ढोल नगाड़ों के साथ निम्बार्क आश्रम से पारीक भवन लाया गया जहां सैकड़ों महिला मात्र शक्तियों द्वारा प्रज्वलित दीपकों भरे हाथों में थाल लेकर पुष्पवर्षा के साथ महंत शास्त्री की भव्य अगवानी की गई।

कार्यक्रम दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पुरोहित ने मंच के माध्यम से युवा ब्रम्ह शक्ति संस्थान मेवाड़ के राष्ट्रीय संरक्षक संत पद पर आसीन करते हुए महंत मोहन शरण शास्त्री के नाम की धोषणा की।इससे पूर्व युवा ब्रम्ह शक्ति मेवाड़ की जिला कार्यकारिणी में जिलाध्यक्ष कमलेश पालीवाल एवं महिला जिलाध्यक्षा सुनीता व्यास के साथ ही सम्पूर्ण कार्यकारिणी को मंच के माध्यम से राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पुरोहित ने शपथ दिलाने के साथ ही अपना अपना दायित्व भी सौपा।

ये दायित्व ग्रहण समारौह प्रदेशाध्यक्ष गौरव आचार्य, महिला प्रदेशाध्यक्ष नीलम शर्मा, राष्ट्रीय प्रचारक डॉक्टर शशिकांत शर्मा, मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा, सर्व ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष ब्रजराज कृष्ण उपाध्याय एवं अधिवक्ता आजाद शर्मा व उमाशंकर पारीक के विशिष्ठ आतिथ्य में सम्पन हुआ।इस अवसर का सबसे सुखद और हर्ष का पल राष्ट्रीय संरक्षक के रूप में महंत मोहन शरण शास्त्री को घोषित करने का रहा जहां राष्ट्रीय संरक्षक घोषित किये जाने के बाद मंच पर ही महंत शास्त्री को मेवाड़ी पगड़ी के साथ ही पुष्पमाला पहना उपरना भेंट कर ब्रम्हशक्ति के सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ स्वागत सत्कार किया तो इस दौरान जय जय परशुराम, जय जयश्रीराम और जय ब्रम्ह के नारों से समूचा पारीक भवन गुंजायमान हो उठा। जिला मंत्री दिलीप पालीवाल ने बताया की भीलवाड़ा के सभी ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष व समाज के सभी पदाधिकारीयों ने इस दायित्व ग्रहण समारौह में संगठन को मजबूती प्रदान करने की शपथ ली। वही कार्यक्रम का संचालन जिला प्रवक्ता एडवोकेट सुखदेव शर्मा ने किया।

इस मौके पर दीपक पालीवाल अध्यक्ष नाथद्वारा व ब्रजसुन्दर जौशी राष्ट्रीय संगठन मंत्री सहित ब्राह्मण समाज के समस्त संगठन के अध्यक्ष एवं मातृशक्ति ने समाज की एकता की बात कही।इस दौरान ब्रम्हशक्ति मेवाड़ संस्थान के संरक्षक गोपाल नारायण नागर, जिलाध्यक्षा सुनीता व्यास, उपाध्यक्षा पूजा शर्मा, सचिव संध्या शर्मा, रोजगार प्रकोष्ठ मंत्री रश्मि आचार्य, पुरुषोत्तम शर्मा, रवि शर्मा, शिव प्रसाद गर्ग, राधेश्याम गर्ग सहित युवा ब्रम्हशक्ति के हजारों सदस्य मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए संपादक जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023

सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

ऊँचाई पर वही पहुँचते है, जो बदला नहीं बदलाव लाने की सोच रखते है।

वर्ष 01, अंक 180, नई दिल्ली

मंगलवार, 12 सितम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

पाबंदी हटते ही दिल्ली ने फिर पकड़ी रफ्तार

रेल, बस सहित कैब सेवा पहले की तरह बहाल

→ निजी कारों और टैक्सी आदि से दिल्ली जाने के लिए तो दिल्ली पुलिस ने लोगों को रविवार की शाम सात बजे से पहले ही ढिलाई देनी शुरू कर दी थी

संजय बाटला, सम्पादक

जी20 सम्मेलन की वजह से दिल्ली के बार्डर पर जारी पाबंदी बीती रात 12 बजे तक के लिए ही थी. समय सीमा समाप्त होते ही बॉर्डर को आवाजाही के लिए खोल दिया गया.

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन समाप्त होते ही बीते रात से दिल्ली पुलिस ने सभी पाबंदियां हटा ली है. बैन हटते ही दिल्ली ने अपनी पुरानी रफ्तार पकड़ ली है. आज सुबह से ही सड़कों पर सरकारी, कैब, टैंपों और निजी वाहन फर्राटे भरते नजर आये. इससे पहले दिल्ली पुलिस ने G20 के चलते लगाई गई तमाम पाबंदियों को समाप्त करने का ऐलान बीती रात 12 बजे कर दिया था. यही वजह है कि आज से दिल्ली की ट्रैफिक पहले की तरह सामान्य नजर आने लगी है.

दरअसल, जी20 सम्मेलन की वजह से दिल्ली के बार्डर पर जारी पाबंदी कल रात 12 बजे तक ही थी. समय सीमा समाप्त होने के बाद बॉर्डर को खोल दिया गया. नई दिल्ली में बनाए गए कंट्रोल जोन भी आज सुचारू रूप से खुल गए हैं. टीकरी, झाड़ोदा, ढांसा बॉर्डर, गाजीपुर, सिंधु बॉर्डर व अन्य सभी रास्तों से दिल्ली में भारी और व्यावसायिक वाहनों पर पर लगा हटा लिया गया है. प्रतिबंधों के हटते ही भारी और व्यावसायिक वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है.

कमर्शियल वाहनों की एंट्री रात 12 बजे बहाल

बता दें कि निजी कारों और टैक्सी आदि से दिल्ली जाने के लिए तो दिल्ली पुलिस ने लोगों को रविवार की शाम सात बजे से पहले ही ढिलाई देनी शुरू कर दी थी. भारी व व्यावसायिक वाहनों के लिए भी बॉर्डर रात 12 बजे खोल दिए गए. हरियाणा के फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक, सोनीपत, पानीपत, झज्जर, पलवल, बहादुरगढ़ और यूपी नोएडा, गाजियाबाद मेरठ व अन्य क्षेत्रों से दिल्ली में प्रवेश करने वाली बसें व वाहनों पर एंट्री से रोक हटा ली गई हे. रात 12 बजे के बाद कई बसें सिरसा, हिसार और पंजाब और राजस्थान से आकर दिल्ली जाती हैं. इन बसों का परिचालन भी सामान्य हो गया. दिल्ली मेट्रो का समय भी कल से पहले वाला हो जाएगा.

रोहतक दिल्ली मार्ग पर रेल सेवा बहाल

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रोहतक दिल्ली रेलमार्ग पर बंद 20 यात्री और एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का संचालन शुरू हो गया है. इस रेल लाइन पर 22 जोड़े यानी अप-डाउन की 44 गाड़ियां चलती हैं. 44 रेलगाड़ियों में से 20 यानी 10 जोड़े गाड़ियां जी-20 सम्मेलन की वजह से रद्द की गई थीं।

रविवार शाम से बसों का रूट पर संचालन किया जा रहा

डीटीसी ने अपने सभी डिपो प्रबंधकों को बसों को पूरी क्षमता के साथ सड़कों पर उतारने के निर्देश दिए हैं। डीटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दिल्ली में अन्य रूटों पर तो बसें चल रही थीं, लेकिन नई दिल्ली की ओर आने वाली बसों पर रोक लगा दी गई थी। वह कहते हैं कि बीती रविवार शाम से ही यात्रियों के लिए बसों का रूट पर संचालन किया जा रहा है।

मेट्रो भी समय से चली

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने भी अपनी सभी लाइनों पर ट्रेनों को तय समय से संचालित किया। बता दें कि शुक्रवार से रविवार के बीच मेट्रो का परिचालन सुबह चार बजे से शुरू किया गया था। ऐसे में समय पर मेट्रो चलने से यात्रियों को सहूलियत मिली है।

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष
दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm.

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Form Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-
- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

जी-20 सम्मेलन से रोडवेज को तीन दिन में 60 लाख का नुकसान, गाजीपुर और लोनी बॉर्डर को किया गया था बंद

सामान्य दिनों में रोजाना करीब 35 लाख रुपये का राजस्व आता था। जो प्रतिदिन केवल 25 लाख रुपये ही आया

परिवहन विशेष न्यूज

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के जिले में कौशांबी लोनी व गाजियाबाद तीन बस डिपो हैं। कौशांबी डिपो से रोडवेज की करीब 254 बसों का संचालन होता है। यहां से रोजाना करीब 25 से 30 हजार यात्री सफर करते थे। आठ सितंबर से दिल्ली में शुरू हुई सम्मेलन की कारण गाजीपुर व लोनी बार्डर को बंद कर दिया गया था।

गाजियाबाद। दिल्ली में हुए जी-20 सम्मेलन के कारण यात्रियों की कमी के चलते उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को बड़ा नुकसान हुआ है।

निगम को पिछले तीन दिन में करीब 60 लाख रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है। अधिकारियों का कहना है कि रविवार को सम्मेलन की समाप्ति के बाद सोमवार से स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के जिले में कौशांबी, लोनी व गाजियाबाद तीन बस डिपो हैं। कौशांबी डिपो से रोडवेज की करीब 254 बसों का संचालन होता है।

यहां से रोजाना करीब 25 से 30 हजार यात्री सफर करते थे। आठ सितंबर से दिल्ली में शुरू हुई सम्मेलन के कारण गाजीपुर व लोनी बार्डर को बंद कर दिया गया था। डायवर्जन होने से बसों का संचालन अन्य मार्ग से किया गया। विभिन्न कारणों से यहां की बसों में रोजाना सात से आठ हजार यात्रियों ने ही सफर किया।

रोजाना झेलना पड़ा करीब 10 लाख रुपये का नुकसान

इससे यात्रियों से मिलने वाले राजस्व में कमी आई। सामान्य दिनों में रोजाना करीब 35 लाख रुपये का राजस्व आता था। जो प्रतिदिन केवल 25 लाख रुपये ही आया। रोजाना करीब 10 लाख रुपये का नुकसान झेलना पड़ा। तीन में 30 लाख रुपये का नुकसान हो चुका है।

लोनी डिपो को रोजाना 24 लाख का नुकसान

लोनी डिपो से 50 बसों का संचालन होता है। इससे रोजाना करीब 19 लाख रुपये का राजस्व आता है। पिछले तीन दिन से रोजाना 11 लाख का नुकसान राजस्व ही प्राप्त हो रहा है। तीन दिन में 24 लाख रुपये का नुकसान हो चुका है। यहां की बसों में सफर करने वाले यात्रियों में करीब 40 फीसदी की गिरावट रही।

गाजियाबाद डिपो के राजस्व में भी आई गिरावट

गाजियाबाद डिपो से विभिन्न शहरों के लिए 55 बसों का संचालन किया जाता है। इस बसों से सामान्य दिनों में करीब 13 हजार यात्री सफर करते थे। सम्मेलन शुरू होने के बाद से रोजाना साढ़े नौ हजार यात्रियों ने सफर किया। इससे प्रतिदिन करीब दो लाख रुपये राजस्व का नुकसान झेलना पड़ा। आठ लाख के सापेक्ष करीब छह लाख का राजस्व ही आया।

इन मार्गों पर कम रहे यात्री

इन डिपो से सफर करने वाले एटा, अलीगढ़, कासगंज, इटावा, कानपुर, फर्रूखाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, हल्द्वानी, बदायूं, मैनपुरी, कासगंज आदि शहरों के जाने वाले यात्रियों में सबसे ज्यादा कमी रही। इसके अलावा लोकल क्षेत्रों मेरठ, बुलंदशहर, हापुड़, खुर्जा आदि मार्गों के यात्रियों में भी कमी रही।

दिल्ली में हुए जी-20 सम्मेलन के कारण बसों में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या बहुत कम रही। इससे राजस्व का काफी नुकसान हुआ है। एक-दो दिन में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है।

-केसरी नंदन चौधरी, क्षेत्रीय प्रबंधक, यूपीएसआरटीसी।

दिल्ली में दिवाली पटाखों पर केजरीवाल ने लगाया अभी से प्रतिबंध

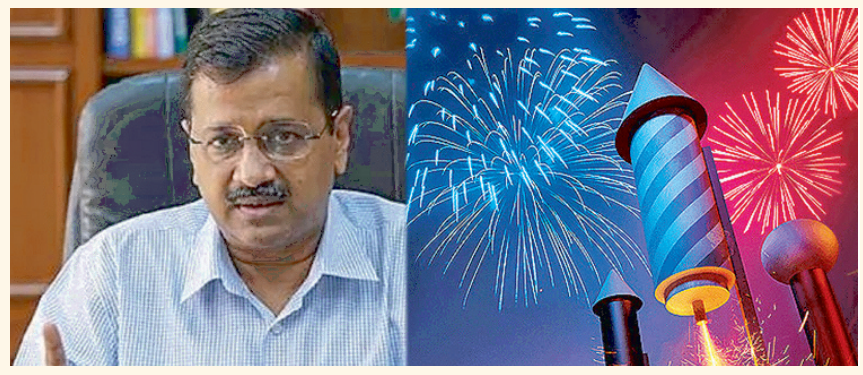

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। दिवाली का पर्व कुछ ही दिनों में आने वाला है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने अभी से बंब पटाखों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का सिलसिला शुरू कर दिया है। सोमवार को सबसे पहले राजधानी दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने 11 सितंबर को इस दिवाली सीजन के दौरान राजधानी क्षेत्र में सभी प्रकार के बंब पटाखों के उत्पादन ,बिक्री ,भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का फरमान जारी कर दिया है। ऐलान के तहत पटाखे फोडने पर 200 रूपये का जुर्मना और बिक्री करने पर 5000 रूपये जुर्मना और तीन साल जेल की सजा शामिल है।

इस बावत पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली पुलिस को पूरे शहर में प्रतिबंध लागू करने के लिए सख्त निर्देश दिए जाएगें। उन्होंने कहा कि साफ पर्यावरण,प्रदूषण के मद्देनजर पिछले तीन साल से इस परंपरा को बरकरार रखा गया है। राय ने कहा कि हालांकि बीते कुछ साल में राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। हमें ओर सुधार करना है। इस पहल के मद्देनजर एनसीआर राज्यों के अधिकारियों से पटाखा लाईसेंस देने से परहेज करने की अपील की। उन्होंने मानव ,जीवन को बचाने के लिए सामुहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। सरकार ने शीतकालीन कार्य योजना लागू करने की प्लांनिंग के साथ प्रदूषण हॉटस्पॉट की निगरानी भी शुरू कर दी है।दिल्ली सरकार की घोषणा के मुताबिक दिवाली के दौरान पटाखे फोड़त हुए पाए जाने पर 200 रूपये का जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं चेतावनी जारी करते हुए कहा कि दिल्ली में पटाखो के उत्पादन,भंडारण,और बिक्री पर विस्फोटक अधिनियम की धारा 9 बी के तहत 5000 रूपये तक का जुर्मना और तीन साल की जेल की सजा हो सकती है।

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर लगा लंबा जाम, रेंग-रेंग कर चल रहे वाहन

शिखर सम्मेलन की वार्ता खत्म होने के बाद रविवार रात 12 बजे से यातायात व्यवस्था को पहले की तरह बहाल कर दियाजिसके बाद दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की आवाजाही से ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया है। इसके चलते एक्सप्रेस-वे पर जाम की स्थिति बनी हुई है। सोमवार सुबह से वाहनों की आवाजाही के चलते एक्सप्रेस-वे पर शंकर चौक से लेकर इफको चौक तक सर्विस लाइन पर लंबा जाम लग गया।

गुरुग्राम। नई दिल्ली में जी-20 बैठक को लेकर दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस -वे पर भारी और हल्के माल वाहन वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई थी। शिखर सम्मेलन की वार्ता खत्म होने के बाद रविवार रात 12 बजे से यातायात व्यवस्था को पहले की तरह बहाल कर दिया,जिसके बाद दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की आवाजाही से ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया है। इसके चलते एक्सप्रेस-वे पर जाम की स्थिति बनी हुई है।

सोमवार सुबह से वाहनों की आवाजाही के चलते दिल्ली एक्सप्रेस-वे पर शंकर चौक से लेकर इफको चौक तक सर्विस लाइन पर लंबा जाम लग गया। वहीं, उद्योग विहार स्थिर एक बिल्डिंग के पास भी वाहनों की संख्या बढ़ने से जाम लग गया।

रात से वाहनों के लिए खोला सिरहौल बार्डर

वहीं, रविवार रात 12 बजे से दिल्ली-जयपुर हाईवे पर यातायात के लिए लगाए गए बैरिकेट्स को हटा लिया गया है। रविवार को भी हाईवे पर यातायात डायवर्जन से सन्नाटा रहा। नई दिल्ली में आठ से 10 सितंबर तक चली जी-20 बैठक के लिए रविवार रात 12 बजे तक सिरहौल बॉर्डर को पूरी तरह सील किया गया था। तीन दिनों तक दिल्ली जाने वाले वाहनों को डायवर्जन के तहत गुजारा गया।रविवार को पूरे दिन गुरुग्राम-दिल्ली हाईवे पर भारी वाहनों के न होने से यातायात न के बराबर दिखा।

जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष दिल्ली आए। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल समेत 100 मेहमान गुरुग्राम के उद्योग विहार स्थित ओबराय होटल में ठहरे।

सुरक्षा के लिए होटल के आसपास सौ व हाईवे पर पांच सौ पुलिसकर्मियों की तैनाती रही। डायवर्जन लागू रहने से गुरुवार रात से लेकर रविवार रात तक भारी वाहनों का दिल्ली जाना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया था। भारी वाहनों को केएमपी से डायवर्ट कर आगे भेजा गया। सरकारी बसों को इफको चौक से डायवर्ट कर एमजी रोड से महरौली रोड होते हुए आया नगर से दिल्ली भेजा गया।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/ 25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इंटेलिजेंट महिलाओं में होती हैं 5 आदतें, हर काम उनके लिए होता है आसान, हर सिचुएशन में रहती हैं पॉजिटिव

अगर आप जीवन में सफल बनना चाहती हैं तो इसके लिए कुछ सफल होने वाली आदतों को अपने जीवन में शामिल करना जरूरी होता है. आइए जानते हैं कि इंटेलिजेंट महिलाओं की क्या खास आदतें होती हैं.

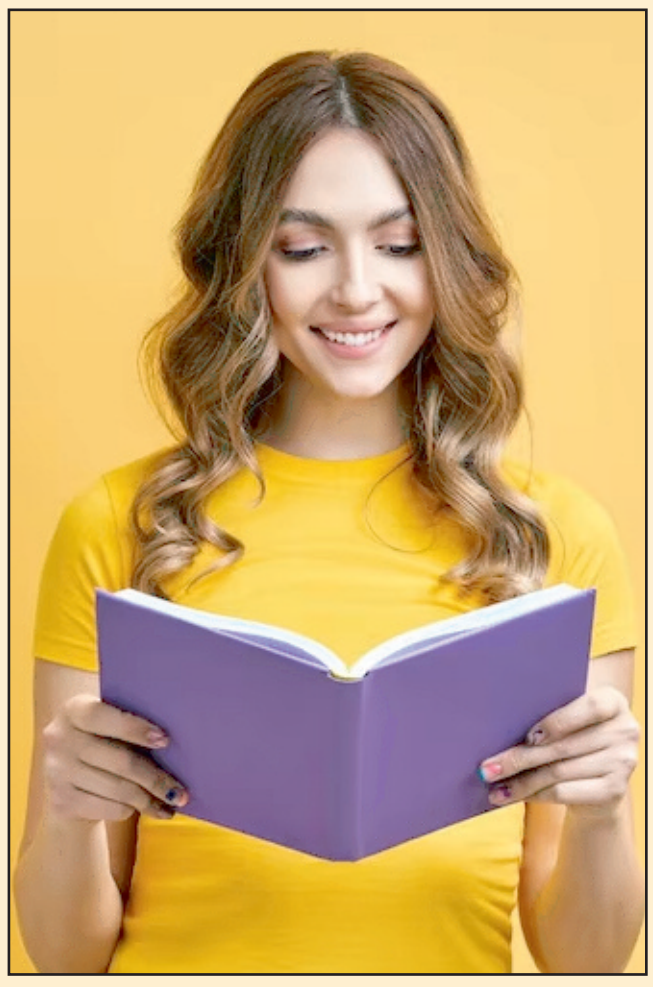

स्मार्ट महिलाएं कुछ भी बोलने से पहले उस विषय पर एक सोच लेती हैं और उसके बाद इस तरह बोलती हैं कि सभी उनकी बातों से खुश हो जाते हैं. इस तरह वे अगले सिचुएशन को सोचने के बाद ही कुछ भी कहती हैं. ऐसी महिलाएं अधिक बोलने की तुलना में सुनना अधिक पसंद करती हैं और बहुत की नपे-तुले शब्दों में अपनी बात कहती हैं.

आइडियापॉड के मुताबिक, इंटेलिजेंट महिलाएं बोलने से पहले छोटी-छोटी बातों पर गौर फरमाती हैं और उसके बाद ही अपने विचार सामने रखती हैं. उनका अपने आसपास की दुनिया को देखने का नजरिया काफी साफ होता है और वे ऐसे सवाल करती हैं, जिसे किसी ने सोचा ही नहीं होगा. उन्हें हर वक्त अपने कान और आंखों को खुला रखने की आदत होती है, जिस वजह से वे हर हालात में बेस्ट विकल्प चुन पाती हैं.

स्मार्ट महिलाएं अपने हालात को अच्छी तरह जानती हैं और अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से एक्सप्रेस करने का उनमें गुण होता है. वे हर हालात में अपने गुस्से और फ्रस्टेशन को कंट्रोल में रख सकती हैं और अपने आपपास के लोगों को अच्छे माहौल में जीने के लिए हर संभव प्रयास करती हैं.

इंटेलिजेंट महिलाएं खुद को निगेटिव माहौल से दूर रखने के लिए हर संभव प्रयास करती हैं और वे चीजों को पर्सनली नहीं लेतीं. लोग उनके बारे में क्या सोचते या बोलते हैं, इस बात का उन्हें परवाह नहीं होता और वे अपने सोच और समझ पर विश्वास रखती हैं.

इंटेलिजेंट महिलाओं में हर चीज का प्लान पहले से बनाने की आदत होती है. पहले से प्लानिंग बनाने की वजह से कभी भी लास्ट टाइम के प्रिपरेशन को लेकर स्ट्रेस में नहीं आतीं या उनके पास हर हालात के बारे में सोचने के लिए समय होता है. यही नहीं, उनमें निर्देश देने की समझ भी इस वजह से अच्छा होता है.

पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक होती हैं डिप्रेशन की शिकार , 6 तरीके से करें खुद की देखभाल ,

उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर टाइटनेस, ड्राइनेस, रिंकल और फाइन लाइन बनने लगती है. यही नहीं हमारी फिटनेस भी जाने लगती है. आइए जानते हैं इसका उपाय.

क्या आप कई दिनों से निराशा, डर, चिंता या दिमाग में आने वाली नकारात्मक बातों को सोच-सोचकर हर वक्त थकान महसूस करने लगी हैं? यदि हां तो यह डिप्रेशन के लक्षण हो सकते हैं. इससे इन 6 तरीकों से पाएं छुटकारा.

जीवन में कठिन समय में दुखी होना एक सामान्य सी प्रतिक्रिया है, जो समय के साथ दूर भी हो जाती है. लेकिन, जब बात डिप्रेशन की आती है तो यह आसानी से नहीं जाती और हम निराशा में खोते चले जाते हैं. दरअसल, एक मूड डिसऑर्डर है, जिसका हमारी सेहत पर गंभीर लक्षण दिखते हैं. डिप्रेशन की वजह से दैनिक जीवन भी काफी प्रभावित होता है और आपके सोचने, समझने, खाने, पीने, सोने और काम करने जैसी गतिविधियों को भी यह प्रभावित करने लगता है. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ के मुताबिक, पुरुषों की तुलना में महिलाओं में डिप्रेशन के लक्षण अधिक दिखते हैं. इसकी वजह हार्मोनल बदलाव, सोशल फैक्टर या बायोलॉजिकल हो सकता है. ऐसे में हम यहां बताते हैं कि महिलाएं किस तरह डिप्रेशन से मिनटों में आराम पा सकती हैं.

डिप्रेशन दूर करने के उपाय

सुबह की सैर जरूरी

हेल्थलाइन के मुताबिक, हो सकता है कि आपको सुबह बिस्तर से उठने का मन ना करे और आप दिनभर बिस्तर में ही रहने का प्लान बनाएं लेकिन डिप्रेशन को दूर करने के लिए जरूरी है कि आप बाहर निकलें और वॉक पर जाएं.

डायरी लिखें

हो सकता है कि आप कहीं खयालों में डूबी हों, लेकिन यह सोच लें और आज का दिन दोबारा लौटने वाला नहीं है. इसलिए रोज का गोल तय करें और डायरी में इसे मेंशन करें. हर दिन एक नया गोल बनाएं और उसे अचीव करने का हर संभव प्रयास करें. आपका डिप्रेशन दूर होगा.

खुद को दें चुनौती

अगर आपका डिप्रेशन आपको किसी काम को ना करने की सलाह दे रहा है तो खुद को चुनौती दें और अपने अंदर की उस आवाज के उल्टा करें. अगर मन में आए कि आज बैठे रहूं, तो उठें और कोई मुश्किल काम को अंजाम दें.

खुद को पुरस्कृत करें

अगर आप अपना केयर अच्छी तरह कर रही हैं, अपने तय कामों को सही समय पर पूरा कर रही हैं या हाल ही में आपने कुछ अचीव किया है तो खुद के प्रयास को पुरस्कृत भी करें.

रुटीन करें फॉलो

अगर डिप्रेशन के लक्षण आपके डेली रुटीन को प्रभावित कर रहे हैं तो आप अपना रुटीन बनाएं और उसे फॉलो करें. आप एक कागज पर रुटीन लिखें और इसे फ्रिज या दरवाजे पर चिपका दें.

पसंद का काम करें

उन काम को करें जो करना आपको पसंद हो. आप किसी इंस्टुमेंट को बजाएं, गाना गाएं, पेंटिंग करें, हाइकिंग करें या ट्रैवल पर जाएं. उन लोगों से मिलें जिन्हें आप पसंद करते हैं. यह डिप्रेशन के नकारात्मक असर को दूर रखने में मदद करेगा.

धन की देवी मां लक्ष्मी को ऐसे करें प्रसन्न , जल्द पूरी होगी मनोकामना...

हिंदू धर्म में शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष पूजा-उपासना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा भाव से मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र पूर्ण होती हैं। साथ ही घर में सुख, समृद्धि और शांति आती है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि मां लक्ष्मी बहुत चंचल हैं। एक जगह पर ज्यादा देर तक नहीं टिकती हैं। इसके लिए मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करनी चाहिए। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के कई उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को करने से साधक पर मां लक्ष्मी की कृपा-दृष्टि बनी रहती है। अगर आप भी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो इन उपायों को जरूर करें।

दीपक लगाएं

अगर आप धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा दृष्टि पाना चाहते हैं, तो हर शनिवार की शाम पीपल के पेड़ के नीचे दीपक लगाएं। इसके बाद तीन बार पेड़ की परिक्रमा करें। साथ ही घर के मुख्य द्वार पर भी दीप जलाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। उनकी कृपा से सुख, शांति और धन की प्राप्ति होती है।

करें दान

सनातन धर्म में दान को पुण्य कर्म माना गया है। इससे देवी-देवता भी प्रसन्न होते हैं। इसके लिए यथा शक्ति तथा भक्ति भाव से गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें। आप अन्न, जल, वस्त्र आदि चीजों का दान कर सकते हैं।

लोबान जलाएं

अगर आप नकारात्मक शक्ति से परेशान हैं, तो मंगलवार, गुरुवार और शनिवार की शाम में गोबर के उपले पर गुग्गल धूप और लोबान जलाकर धुआं घर के चारों ओर करें। इस उपाय को करने से नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। साथ ही घर में धन की देवी मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

तुलसी का पौधा लगाएं

सनातन शास्त्रों में निहित है कि तुलसी माता, धन की देवी मां लक्ष्मी का स्वरूप हैं। अतः मां लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए घर पर तुलसी का पौधा जरूर लगाएं। साथ ही रोजाना सुबह-शाम पूजा और आरती करें। इस उपाय को करने से धन की देवी मां लक्ष्मी शीघ्र प्रसन्न होती हैं। उनकी कृपा से जातक के जीवन में व्याप्त समस्त दुखों का नाश होता है।

दिल्ली एमसीडी ने बजट बनाने की प्रक्रिया की शुरू, संबंधित विभागों से मांगी जानकारी

दिल्ली नगर निगम के बजट की प्रक्रिया काफी पारदर्शी तरीके से होती है। निगमायुक्त 10 दिसंबर से पहले स्थायी समिति के समक्ष बजट प्रस्तुत करते हैं तो इसे सभी वार्ड समितियों के साथ विशेष और तदर्थ कमेटियों में चर्चा के लिए भेजा जाता है। विशेषज्ञ कह रहे हैं प्रशासक होने के नाते निगमायुक्त इस स्थिति में उपराज्यपाल के समक्ष बजट पेश कर सकते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के महापौर चुनाव से लेकर अब तक संवैधानिक संकटों के उत्पन्न होने का सिलसिला खत्म नहीं हुआ है। अब ताजा मामला दिल्ली नगर निगम के बजट का है। नगर निगम की स्थायी समिति का गठन अभी हुआ नहीं है और विभागों ने बजट बनाने की तैयारी शुरू की दी है।

ऐसे में स्थायी समिति का गठन नहीं हुआ, तो निगम का बजट कहां पर पेश होगा, इसको लेकर संकट के बादल मंडराने लगे हैं, क्योंकि निगम के बजटीय विनियमों के अनुसार 10 दिसंबर से पहले ही निगमायुक्त को स्थायी समिति में बजट पेश करना होता है। अगर, स्थायी समिति का गठन न हुआ, तो बजट कहां पेश होगा इसका उल्लेख न तो निगम एक्ट में है और न ही बजटीय विनियमों में है।

संबंधित विभागों से मांगी जानकारी

विशेषज्ञ कह रहे हैं प्रशासक होने के नाते निगमायुक्त इस स्थिति में उपराज्यपाल के समक्ष बजट पेश कर सकते हैं। यह सवाल इसलिए उठा है, क्योंकि नगर निगम के चीफ अकाउंटेंट कम फाइनेंशियल एडवाइजर ने आदेश जारी कर 15 सितंबर तक सभी विभागों से वित्त वर्ष 2023-24 के संशोधित बजट अनुमान और 2024-25 के बजट अनुमान पेश करने के लिए जानकारी मांगी है।

आदेश के अनुसार विभागों को कर्मचारियों के वेतन और नियमिति खर्चों के साथ सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ पर होने वाल खर्च का भी विवरण देना होगा। साथ ही वाहनों की मरम्मत और ईधन पर होने वाले खर्च की जानकारी देनी होगी।

इसलिए नहीं हो पाया है स्थायी समिति का गठन

दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति का गठन करने में कोई कानूनी अड़चन नहीं है, लेकिन निगम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का इंतजार कर रहा है। महापौर डॉ. शैली ओबेराय ने उपराज्यपाल द्वार नियुक्त किए गए मनोनीत सदस्यों के मनोनय को चुनौती दी थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है।

ऐसे में निगम इसका इंतजार कर रहा है। वैसे बिना आदेश के भी निगम समिति का गठन करना चाहे तो उसके सामने कोई कानूनी अड़चन नहीं है, पर इस पर राजनीतिक दल (भाजपा और आप) सहमति नहीं दे रहे हैं, क्योंकि दोनों को ही लगता है सुप्रीम कोर्ट में निर्णय उनके पक्ष में आएगा।

निगमायुक्त को स्थायी समिति में ही बजट पेश करना होता है। अब उसका गठन नहीं हुआ है तो सदन में तो सीधे यह बजट पेश नहीं किया जा सकता है। ऐसी स्थितित में उपराज्यपाल दिल्ली के प्रशासक हैं। ऐसे में अगर, स्थायी समिति नहीं है तो निगमायुक्त प्रशासक होने के नाते बजट उपराज्यपाल के पास पेश कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए एमसीडी को केंद्रीय गृहमंत्रालय की राय भी लेनी होगी।

- अनिल गुप्ता, पूर्व मुख्य विधि अधिकारी, एमसीडी

क्या होती है निगम की बजट पेश करने की प्रक्रिया

दिल्ली नगर निगम के बजट की प्रक्रिया काफी पारदर्शी तरीके से होती है। निगमायुक्त 10 दिसंबर से पहले स्थायी समिति के समक्ष बजट प्रस्तुत करते हैं तो इसे सभी वार्ड समितियों के साथ विशेष और तदर्थ कमेटियों में चर्चा के लिए भेजा जाता है। स्थायी समिति में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर चर्चा करते हैं। इसके उपरांत स्थायी समिति के अध्यक्ष इसे अंतिम रूप देकर सदन में भेज देते हैं।

पक्ष-विपक्ष के पार्षदों की चर्चा के बाद नेता सदन इस बजट को अंतिम रूप देते हैं। दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू होने वाली यह प्रक्रिया फरवरी के पहले सप्ताह तक चलती है। 15 फरवरी से पहले सदन को टैक्स अधिसूचित करने पड़ते हैं, जबकि 31 मार्च तक बजट को पास करना पड़ता है।

सिख दंगा 1984: जगदीश टायटलर के खिलाफ अब जिला जज करेंगे आगे की सुनवाई, पुल बंगश हत्याकांड से जुड़ा है मामला

जगदीश टायटलर के खिलाफ पुल बंगश हत्याकांड से संबंधित एक मामला सोमवार को आगे की कार्यवाही के लिए जिला न्यायाधीश के पास भेज दिया है। उनके ऊपर आईपीसी की धारा 302 का मुकदमा चल रहा है।

अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान पुल बंगश हत्याकांड से संबंधित एक मामला सोमवार को आगे की कार्यवाही के लिए जिला न्यायाधीश के पास भेज दिया। ममाले में कांग्रेस नेता जगदीश टायटलर आरोपी हैं।

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट विधी गुप्ता आनंद ने मामले को जिला न्यायाधीश के पास भेज दिया ताकि मामला सत्र न्यायाधीश को सौंपा जा सके। उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री टायटलर पर हत्या का आरोप लगाया गया है और ऐस में मामले की सुनवाई सत्र न्यायालय में ही हो सकती है।

मजिस्ट्रेट ने कहा कि मामले में जिन दस्तावेजों पर भरोसा किया गया है उनकी प्रतियां पहले ही टायटलर को अविश्वसनीय दस्तावेजों की एक सूची के अलावा प्रदान की जा चुकी हैं। अदालत ने कहा कि आरोपी आवश्यक समझे जाने वाले किसी भी अन्य दस्तावेज की मांग के लिए सत्र अदालत के समक्ष आवश्यक आवेदन दायर करने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि 26 जुलाई को पारित एक आदेश द्वारा कथित अपराधों का संज्ञान लिया गया और आरोपी को तलब किया था।

उन्होंने कहा रिकॉर्ड के अवलोकन से पता चलता है कि आरोप पत्र अन्य बातों के अलावा आईपीसी की धारा 302 और 436 के तहत दायर किया गया है। एक सत्र अदालत ने पहले टाइटलर को एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर अग्रिम जमानत दे दी थी। इसने उन पर कुछ शर्तें भी लगाई थीं, जिनमें यह भी शामिल था कि वह मामले में सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे या बिना अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे। तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या के एक दिन बाद 1 नवंबर, 1984 को यहां पुल बंगश इलाके में तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी और एक गुरुद्वारे में आग लगा दी गई थी।

कंपनी छोड़ने के बाद भी महिला कर्मचारी के घर तक पहुंचा पूर्व मैनेजर, मां के सामने की अश्लील हरकत

पुलिस को दी शिकायत में युवती ने बताया कि वह परिवार के साथ वसंत कुंज के ई-ब्लाक में रहती है। वह पूर्व में नोएडा में एक निजी कंपनी में काम करती थी। युवती का कहना है कि वह तीन सितंबर को अपने घर पर थी और किचन में खाना बना रही थी। इसी बीच किसी ने घर का दरवाजा खटखटाया।

नई दिल्ली। पुलिस को दी शिकायत में युवती ने बताया कि वह परिवार के साथ वसंत कुंज के ई-ब्लाक में रहती है। वह पूर्व में नोएडा में एक निजी कंपनी में काम करती थी। युवती का कहना है कि वह तीन सितंबर को अपने घर पर थी और किचन में खाना बना रही थी। इसी बीच किसी ने घर का दरवाजा खटखटाया। युवती की मां ने दरवाजा खोला तो पुल्किट नाम का व्यक्ति जबरन घर के अंदर घुस गया।

मां के सामने की अश्लील हरकत : पीड़िता ने बताया कि आरोपित नोएडा स्थित उसकी पूर्व कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। युवती का आरोप है कि आरोपित ने घर में घुसकर उसके साथ अश्लील हरकत की। यह करतूत आरोपित ने पीड़िता की मां के सामने की।

ट्रांसजेंडर लोगों के लिए बनवाए 100 से अधिक टॉयलेट्स, अभी और शौचालयों का तेजी से किया जा रहा निर्माण

सरकार ने सोमवार को हाईकोर्ट को बताया कि उसने अब तक ट्रांसजेंडर लोगों के लिए 100 से अधिक शौचालय (टॉयलेट) बनवाए गए हैं। इसके अलावा 194 ऐसे ही शोचालयों का निर्माण किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग के वकील ने मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि राजधानी दिल्ली कुछ 102 शौचालय बनवाए गए हैं।

नई दिल्ली। एक जनहित याचिका पर जवाब देते हुए दिल्ली सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया कि राष्ट्रीय राजधानी में ट्रांसजेंडर लोगों के विशेष उपयोग के लिए 100 से अधिक शौचालय बनाए गए हैं। समाज कल्याण विभाग के वकील ने मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा व न्यायमूर्ति संजीव नरुला की पीठ के समक्ष कहा कि इसके अलावा 194 शौचालय निर्माणाधीन हैं।

शौचालय निर्माण के प्रयास किए जा रहे हैं और आगे की कार्रवाई तेजी से की जाएगी। याचिकाकर्ता जैस्मीन कौर छाबड़ा की जनहित याचिका पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एमडीएमसी, NDMC) के अधिवक्ता ने पीठ को सूचित किया कि एनडीएमसी क्षेत्र में ट्रांसजेंडरों के लिए 12 शौचालय संचालित हो रहे हैं और 79 और शौचालयों के निर्माण के लिए निविदाएं जारी की गई हैं।

पहले देखा जाएगा कार्य

सरकार और एनडीएमसी का बयान सुनने के बाद अदालत ने कहा कि मामले में कार्य प्रगति को देखते हुए याचिका पर आदेश पारित किया जाएगा। याचिकाकर्ता जैस्मीन कौर छाबड़ा ने ट्रांसजेंडरों के लिए शौचालय का निर्माण कराने का निर्देश देने की मांग को लेकर जनहित याचिका दायर की है।

यौन उत्पीड़न का हो जाती हैं शिकार

उन्होंने याचिका में तर्क दिया कि विशेष रूप से ट्रांसजेंडरों के लिए समर्पित शौचालय न होने के कारण वे यौन उत्पीड़न का शिकार हो जाती है। 14 मार्च को हुई अदालत ने सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण से जुड़े अदालत के आदेश का अनुपालन नहीं होने पर नाराजगी जताई थी।

इन शहरों में पहले से हैं शौचालय

याचिका में कहा गया था कि मैसूर, भोपाल और लुधियाना में ट्रांसजेंडरों के लिए पहले से ही अलग सार्वजनिक शौचालय बनाए हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में अभी भी ऐसी सुविधा नहीं है।

चोरी करते पकड़ा गया चोर चौथी मंजिल से कूदा, हुई मौत; 11 दिन बाद हुई FIR

उत्तरी जिले के सराय रोहिल्ला इलाके में चोरी करते पकड़ा गया एक चोर लोगों से खुद को छुड़ा कर चौथी मंजिल से कूद गया। वारदात 28 अगस्त की सुबह की है। वारदात के 11 दिन बाद मामले में सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने लापरवाही से हुई मौत और चोरी की धारा में अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की हैं। मृतक की शिनाख्त सन्नी (29) के तौर पर हुई है।

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सराय रोहिल्ला इलाके में चोरी करते पकड़ा गया एक चोर लोगों से खुद को छुड़ा कर चौथी मंजिल से कूद गया। वारदात 28 अगस्त की सुबह की है। वारदात के 11 दिन बाद मामले में सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने लापरवाही से हुई मौत और चोरी की धारा में अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की हैं। मृतक की शिनाख्त सन्नी (29) के तौर पर हुई है।

जानकारी के अनुसार, सरफराज शहजादा बाद इलाके में एक फैक्ट्री में काम करते हैं। 28 अगस्त सुबह नौ बजे वह फैक्ट्री पहुंचे तो वहां पता चला कि कुछ फैक्ट्री कर्मियों ने एक चोर का पकड़ रखा है। उसकी जमकर पिटाई की गई है।

पानी पीने के बहाने चौथी मंजिल पर चढ़ा

सभी पकड़े गए युवक से मोबाइल और बैग के बारे में पूछ रहे थे। इस दौरान वह पानी पीने के बहाने फैक्ट्री की चौथी मंजिल पर चला गया। वहां से उसने नीचे छलांग लगा दी। घायल अवस्था उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कई दिनों तक नहीं हो सकी शिनाख्त

पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई दिनों तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। चार सितंबर को एसएचओ ने मामले की जांच के लिए जांच अधिकारी को आदेश दिया। इसके बाद पुलिस ने काफी प्रयास के बाद मृतक की शिनाख्त सन्नी के तौर पर की। उसके पिता को घटना की सूचना दी गई।

इसके बाद सात सितंबर को आरएमएल अस्पताल में शव को पोस्टमार्टम किया गया। इस मामले में पुलिस ने सरफराज की शिकायत पर लापरवाही से हुई मौत और आमिर की शिकायत पर चोरी की धारा में रिपोर्ट दर्ज की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी, दिल्ली की अदालत ने सुरक्षित रखा फैसला

दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने सोमवार को शरजील इमाम की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। शरजील के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि वह पहले अधिकतम सजा की आधी अवधि साढ़े तीन साल की सजा को काट चुका है। वह 28 जनवरी 2020 से हिरासत में है। कोर्ट ने 25 सितंबर तक जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा है।

नई दिल्ली। दिल्ली दंगे से पहले नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में भड़काऊ भाषण देने के मामले में आरोपित शरजील इमाम की जमानत अर्जी पर सोमवार को कड़कड़डूमा कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में शरजील ने यह कहते हुए दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत वैधानिक जमानत मांग की है।

कोर्ट में शरजील ने रखा पक्ष

उसने कोर्ट में कहा कि उसके ऊपर लगे आरोपों में अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है, जिसमें से आधी अवधि न्यायिक हिरासत पूरी हो चुकी है। अर्जी के विरोध में अभियोजन की ओर से दलील दी गई कि आरोपित समवर्ती सजा के आधार पर यह मांग कर रहा है, जोकि उचित नहीं है।

कानून में समवर्ती सजा एक अपवाद है, जबकि लगातार सजा एक नियम है। ऐसे में अर्जी योग्य नहीं मानी जा सकती। अब इस मामले में 25 सितंबर को अगली सुनवाई होगी। दिल्ली दंगे से पहले वर्ष 2019 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में भड़काऊ भाषण देने के मामले में दिल्ली पुलिस ने शरजील इमाम के खिलाफ प्राथमिकी की थी। इस मामले में वह 28 जनवरी 2020 से न्यायिक हिरासत में है।

शरजील पर लगे थे ये आरोप

उस पर राजद्रोह, सांप्रदायिक शत्रुता पैदा करने, राष्ट्रीय एकता के खिलाफ भाषण देने, अफवाह फैलाने व गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13 के तहत आरोप लगाए गए थे। राजद्रोह कानून पर पुनर्विचार होने तक इस आरोप को लेकर कार्रवाई रोक दी गई थी। बाकी आरोपों पर मुकदमा चल रहा है। उनमें से तीन आरोपों में अधिकतम तीन-तीन वर्ष और यूएपीए में अधिकतम सात साल कैद की सजा का प्रविधान है। हाल मे शरजील ने सीआरपीसी के प्रावधान के तहत जमानत अर्जी दायर की थी।

उसमें कहा था कि उसके ऊपर लगे आरोपों में अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है, जबकि वह जेल में तीन साल छह महीने से अधिक समय बिता चुका है। कारावास की अधिकतम अवधि का आधा हिस्सा न्यायिक हिरासत में पूरा कर लेने के कारण वह वैधानिक जमानत का हकदार है। अभियोजन की ओर से पेश विशेष लोक अभियोजक अमित प्रसाद ने अर्जी का विरोध करते हुए दलील दी कि आरोपित समवर्ती सजा के आधार पर यह मांग कर रहा है।

कानून में समवर्ती सजा एक अपवाद है, जबकि लगातार सजा एक नियम है। इस केस में उस पर लगे चार आरोपों में उसे लगातार सजा पर अधिकतम 16 वर्ष की कैद हो सकती है। चूकि सीआरपीसी की धार 31 के अनुसार अधिकतम सजा 14 वर्ष तक सीमित है। उस लिहाज से भी जिस प्रविधान के तहत अर्जी दायर की गई है, योग्य नहीं मानी जा सकती। शरजील के वकील ने अभियोजक की इस दलील को अनुचित बतायादिल्ली की कोर्ट ने 25 सितंबर तक जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा लिया है।